twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing

Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरूवार, 19 जून, 2025 | वर्षः 12 अंकः 215, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

भारत ने ना मध्यस्थता स्वीकारी थी, ना स्वीकारेंगे: पीएम

ऑपरेशन सिंदूर पर मोदी-ट्रम्प की फोन पर 35 मिनट बात, सीजफायर पाक के कहने पर हुआ: मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत की, जो लगभग 35 मिनट तक चली। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान हट मोदी ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े किसी भी विषय में व्यापार से संबंधित कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान के कहने पर ही भारत ने सीजफायर किया था। भारत कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता और आगे भी नहीं करेगा।

साथ ही, पीएम मोदी ने यह भी जोर देकर कहा कि अब भारत आतंकवाद की घटनाओं को प्रॉक्सी वॉर (परदे के पीछे की लड़ाई) नहीं, बल्कि सीधे युद्ध की कार्रवाई के रूप में देखेगा। भारत का ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है।

विदेश सचिव ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने पीएम मोदी की तरफ से विस्तार में बताई गई बातों को समझा और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के प्रति समर्थन जताया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बुधवार सुबह पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच बातचीत की जानकारी दी। पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की मुलाकात जी7 के इतर होनी तय थी, लेकिन ट्रम्प को 17 जून को जी7 छोड़कर अमेरिका लौटना पड़ा। इस कारण ये मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद ट्रम्प के कहने पर दोनों नेताओं की फोन पर बात हुई। बातचीत करीब 35 मिनट चली। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने फोन पर पीएम मोदी से शोक संवेदना जताई थी और आतंक के खिलाफ समर्थन जताया था। इसके बाद दोनों नेताओं 18 जून को यह पहली बातचीत थी। इसलिए पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प ने ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तार से बात की।

'भारत ने पाकिस्तान में सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया' मिसरी ने ये भी बताया कि पीएम मोदी ने ट्रम्प को यह स्पष्ट रूप से कहा कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था।

मोदी ने कहा था...पाक की गोली का जवाब हम गोले से देंगे

9-10 मई की रात को पाकिस्तान के हमले का भारत ने सशक्त जवाब दिया और पाकिस्तान को सेना को बहुत नुकसान पहुंचा। उसके मिलिट्री एयरबेस को इनऑपरेबल (फ्लाइट संचालन न होने योग्य) बना दिया। भारत के मुंहतोड़ जवाब के चलते पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई रोकने का आग्रह करना पड़ा। विदेश सचिव ने बताया कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को स्पष्ट रूप से कहा था कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कभी भी किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या अमेरिका की तरफ से भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी।

'भारत ने पाक में सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया'

विदेश सचिव मिसरी ने ये भी बताया कि पीएम मोदी ने ट्रम्प को यह स्पष्ट रूप से कहा कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था। भारत ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया था। भारत के एक्शन बहुत ही मेजर्ड (नपे-तुले), प्रिसाइज (सटीक) और नॉन-एस्केलेटरी थे। साथ ही भारत ने ये भी स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान की गोली का जवाब हम गोले से देंगे।

'पाकिस्तान ने सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की थी'

विदेश सचिव मिसरी ने ये बताया कि 9 मई की रात को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी को फोन किया था। वेंस ने कहा था कि पाकिस्तान, भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। पीएम मोदी ने उन्हें साफ शब्दों में बताया था कि यदि ऐसा होता है तो भारत, पाकिस्तान को उससे भी बड़ा जवाब देगा।

पीएम मोदी ने ट्रम्प को यह स्पष्ट रूप से कहा कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था। 'भारत ने पाकिस्तान में सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया' मिसरी ने ये भी बताया कि

पाक ने सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की थी: विदेश सचिव

विदेश सचिव मिसरी ने ये बताया कि 9 मई की रात को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी को फोन किया था। वेंस ने कहा था कि पाकिस्तान, भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। पीएम मोदी ने उन्हें साफ शब्दों में बताया था कि यदि ऐसा होता है तो भारत, पाकिस्तान को उससे भी बड़ा जवाब देगा। भारत के एक्शन बहुत ही मेजर्ड (नपे-तुले), प्रिसाइज (सटीक) और नॉन-एस्केलेटरी थे। साथ ही भारत ने ये भी स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान की गोली का जवाब हम गोले से देंगे।

'पाकिस्तान ने सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की थी'

9-10 मई की रात को पाकिस्तान के हमले का भारत ने सशक्त जवाब दिया और पाकिस्तान को सेना को बहुत नुकसान पहुंचा। उसके मिलिट्री एयरबेस को इनऑपरेबल (फ्लाइट संचालन न होने योग्य) बना दिया। भारत के मुंहतोड़ जवाब के चलते पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई रोकने का आग्रह करना पड़ा।

'सैन्य कार्रवाई रोकने की बात सीधे भारत-पाकिस्तान के बीच हुई थी'

विदेश सचिव ने बताया कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को स्पष्ट रूप से कहा था कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कभी भी किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या अमेरिका की तरफ से भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी। सैन्य कार्रवाई रोकने की बात सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच दोनों सेनाओं के एग्जिस्टिंग चैनल्स (मौजूदा अफसरों) के माध्यम से हुई थी और पाकिस्तान के आग्रह पर ही हुई थी।

अब 15 दिन में वोटर आईडी कार्ड देगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली/एजेंसी

चुनाव आयोग ने मतदाताओं को उनके फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) तेजी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए नई मानक प्रक्रिया (एसओपी) तय की है। अब नए नामांकन या मतदाता विवरण में किसी भी बदलाव के 15 दिनों के भीतर मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) कार्ड प्राप्त हो जाएगा। यह पहल मतदाताओं की सुविधा के लिए की जा रही विभिन्न पहलों का हिस्सा है, जिन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू व डॉ. विवेक जोशी के मार्गदर्शन में शुरू किया गया है। नई व्यवस्था में ईपीआईसी कार्ड बनने से लेकर उसके डाक विभाग द्वारा मतदाता तक पहुंचाने तक की हर प्रक्रिया की रियल-टाइम ट्रैकिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। मतदाता को हर चरण की जानकारी एसएमएस के माध्यम से दी जाएगी। इस उद्देश्य के लिए चुनाव आयोग ने हाल ही में लॉन्च किए गए ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म पर एक विशेष आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। यह नया प्लेटफॉर्म मौजूदा प्रक्रिया को बदलते हुए कार्यप्रणाली को अधिक सुचारू और दक्ष बनाएगा। डाक विभाग के एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) को भी ईसीआईनेट के साथ जोड़ा जाएगा ताकि ईपीआईसी की निर्बाध डिलीवरी सुनिश्चित की जा सके।

ईरान आत्मसमर्पण नहीं करेगा: अयातुल्ला

तेहरान/एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने बुधवार को राष्ट्रीय संबोधन में अमेरिका को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा," ईरान आत्मसमर्पण करने वाला नहीं है। सनद रहे कि एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण करने का आह्वान किया था। अमेरिका के सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार खामेनेई ने कहा," अमेरिकियों को बता दें कि ईरानी राष्ट्र आत्मसमर्पण करने वाला नहीं है।

अब हाईवे पर सफर होगा बेफिक्र, 3000 रुपए में एक साल के लिए फास्टैग

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को बड़ा ऐलान किया है। देशभर के निजी वाहन चालकों को राहत देते हुए सरकार ने 3,000 रुपये का वार्षिक फास्टैग आधारित पास लॉन्च करने का निर्णय लिया है, जो इस साल 15 अगस्त से लागू होगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने एक्स पोस्ट के माध्यम से बताया कि यह पास गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। यह सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष या 200 यात्राओं (जो पहले हो) तक वैध रहेगा और पूरे भारत के राष्ट्रीय राजमार्गों पर लागू होगा।

यह पहल लंबे समय से चली आ रही टोल प्लाजा संबंधी समस्याओं-जैसे प्रतीक्षा समय, भीड़ और लेन विवाद के समाधान करने के उद्देश्य से लाई गई है। पास धारकों को टोल प्लाजा पर बार-बार भुगतान से मुक्ति मिलेगी और यात्रा अधिक तेज और सुविधाजनक होगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस पास के सक्रियण और नवीनीकरण के लिए "राजमार्ग यात्रा ऐप" और एमओआरटीएच या एनएचएआई की वेबसाइट पर एक अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा। इससे प्रक्रिया सरल और सुगम होगी। गडकरी ने कहा कि लंबे समय से टोल प्लाजा को 60 किलोमीटर सीमा को लेकर उठ रही चिंताओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने इस योजना को आकार दिया है। सरकार के इस कदम से उन लोगों को राहत मिलेगी जो एक ही टोल के दायरे (60 किमी तक) में नियमित यात्रा करते हैं।

भारत-कनाडा के संबंधों पर जमी बर्फ पिघली

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत और कनाडा के रिश्तों पर पिछले डेढ़ वर्ष से भी ज्यादा वक्त से जमीं बर्फ सोमवार को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच हुई हुई मुलाकात में पिघल गई। अलबर्टा (कनाडा) में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में विशेष मेहमान के तौर पर आमंत्रित पीएम नरेन्द्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के बीच तकरीबन 40 मिनट बैठक चली। इसमें सबसे पहले इस बात पर सहमति बनी कि दोनों देशों की राजधानी में उच्चायुक्तों की जल्द से जल्द नियुक्ति की जाएगी। इसके बाद उच्चायोग में राजनयिकों की संख्या बढ़ाने व अपने अपने उच्चायोगों के काम काज को सामान्य बनाया जाएगा। साथ ही मुक्त कारोबार समझौते (एफटीए) पर थमी बातचीत भी शुरू करने की सहमति बनी। मोदी और कार्नी के बीच आपसी सहयोग के दूसरे अन्य सभी मुद्दों पर भी बात हुई है।

कार्नी के साथ पीएम मोदी की मुलाकात

कार्नी के साथ मुलाकात में पीएम मोदी ने कहा कि, "भारत के लिए कनाडा के साथ संबंध बहुत महत्वपूर्ण है। हम दोनों मिल कर लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने का काम करेंगे। मानवता के लिए काम करेंगे। हम अनेक क्षेत्रों में प्रगति करेंगे।" कार्नी ने कहा कि, "हमें पीएम मोदी का स्वागत करते हुए गर्व है। हम प्रौद्योगिकी, एआइ, ऊर्जा सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग में काम करेंगे।"

बैठक के बारे में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि, "बैठक में भारत व कनाडा के रिश्तों की अहमियत पर बात हुई है। दोनों देशों में काफी कुछ समान्य है। पीएम मोदी ने रिश्तों को सामान्य बनाने पर खास तौर पर जोर दिया। स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, एआइ, बहुमूल्य धातुओं और सप्लाई चेन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात हुई। दोनों नेताओं ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्थगित कारोबारी वार्ता को शीघ्र शुरू किया जाए।"

भारत पर लगाए थे बेबुनियाद आरोप

कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रुडो ने भारत पर अपने देश के कुछ नागरिकों की हत्या कराने का आरोप लगाया था।

एंटी सबमरीन वारफेयर 'अणार्ला' समुद्री बेड़े में शामिल

नई दिल्ली/एजेंसी

देश का पहला एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट 'अणार्ला' बुधवार को भारत के समुद्री बेड़े में शामिल हो गया। महाराष्ट्र के वसई के ऐतिहासिक 'अर्णाला' किले के नाम पर बना यह युद्धपोत भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को दर्शाता है। यह पोत भारत की नौसैनिक क्षमताओं में बड़ा बदलाव लाने के साथ ही तटीय सुरक्षा को मजबूत करेगा। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर समुद्री शक्ति के रूप में उभरेगा। विशाखापट्टनम के नौसेना डॉकयार्ड में आज चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान की अध्यक्षता में कमीशनिंग समारोह में जहाज को नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित 16 पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जल पोत (एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट) में से यह पहला पोत है। इस युद्धपोत में 80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इसमें भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), एलएंडटी, महिंद्रा डिफेंस और एमईआईएल सहित प्रमुख भारतीय रक्षा फर्मों की उन्नत प्रणालियां शामिल हैं। इस परियोजना में 55 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) ने सहयोग दिया है। युद्धपोत निगरानी टीमों की देखरेख में निर्मित 'अणार्ला' को 08 मई को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। विभिन्न खतरों के खिलाफ मजबूती से खड़े रहे 'अणार्ला' किले की तरह इस जहाज को समुद्र में मजबूत उपस्थिति के लिए डिजाइन किया गया है। सुनिश्चित करती है कि यह जहाज समुद्री क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करके उभरते खतरों से भारत के जल की रक्षा कर सकता है।

भारत हुआ ट्रैकोमा-मुक्त, नड्डा ने गिनवाई उपलब्धियां

नई दिल्ली/एजेंसी

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रैकोमा मुक्त घोषित कर दिया है। ट्रैकोमा आंखों की संक्रामक बीमारी है, जोजीवाणु क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस के कारण होती है। केंद्र सरकार के 11 साल की उपलब्धियां गिनवाते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि देश ने एक और उपलब्धि हासिल की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रैकोमा-मुक्त घोषित कर दिया है। नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा कि

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रैकोमा-मुक्त घोषित किया है, जिससे एक ऐसी बीमारी खत्म हो गई है जो कभी व्यापक अंधेपन का कारण बनती थी। स्वच्छता, पहुंच और नेत्र देखभाल सेवाओं में निरंतर प्रयासों के साथ, यह उपेक्षित उष्णकटिबंधीय बीमारी अब समाप्त हो गई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर और भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और लाखों नागरिकों के लिए गर्व का क्षण। विश्व स्तर पर अंधेपन के प्रमुख कारणों में से एक ट्रैकोमा रोग लंबे समय से सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय रहा है। इस बीमारी को खत्म करने के लिए भारत ने जो प्रयास किए उसके निश्चित ही बेहतर परिणाम देखे गए, नतीजतन इसे सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि ट्रैकोमा को अति संक्रामक रोग के रूप में जाना जाता है। संक्रमित व्यक्ति की आंखों, पलकों और नाक-गले के स्राव के संपर्क में आने से दूसरे लोगों को संक्रमण होने का खतरा हो सकता है। इतना ही नहीं संक्रमित व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल और तौलिए के इस्तेमाल से भी संक्रमण फैलने का खतरा हो

हिंदी के लिए पार्वती तिर्की को साहित्य अकादमी का युवा पुरस्कार

नई दिल्ली/एजेंसी

साहित्य अकादमी ने बुधवार को वर्ष 2025 के लिए युवा पुरस्कार और बाल साहित्य पुरस्कार की घोषणा की। अकादमी के कार्यकारी मंडल ने 23 युवा लेखकों की पुस्तकों एवं 24 बाल साहित्यकारों के लिए पुरस्कार 2025 अनुमोदित किए।

इन पुस्तकों को तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल ने निर्धारित चयन प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरस्कार के लिए चुना। डोगरी भाषा का युवा पुरस्कार बाद में घोषित किया जाएगा। साहित्य अकादमी ने एक बयान में बताया कि दोनों पुरस्कारों के लिए एक उत्कीर्ण ताम्रफलक तथा 50 हजार रुपये की सम्मान राशि बाद में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में प्रदान किए जाएंगे। हिंदी के लिए युवा पुरस्कार पार्वती तिर्की के कविता-संग्रह फिर उगना को प्रदान किया गया है।

जीईएम पर यूपी बना अग्रणी राज्य, केंद्र सरकार ने यूपी मॉडल को सराहा

लखनऊ/नई दिल्ली/एजेंसी

उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बार फिर डिजिटल और पारदर्शी प्रशासन में अपनी अग्रणी भूमिका को साबित किया है। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) के माध्यम से की गई खरीद में उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन के लिए केंद्र सरकार से सराहना भी प्राप्त की है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर GeM के माध्यम से राज्य की सक्रिय भागीदारी और योगदान की खुले शब्दों में प्रशंसा की है। साथ ही उन्होंने योगी सरकार के इस प्रयास को अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श मॉडल भी बताया है।

पीयूष गोयल ने पत्र के साथ ही 5 वर्षों में GeM पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई खरीद का डाटा भी दिया गया है, जिसके अनुसार प्रदेश सरकार ने 2020-21 से 2024-25 के दौरान कुल 65,227 करोड़ रुपए से ज्यादा की खरीद की है।

उत्तर प्रदेश ने दिखाई नेतृत्व क्षमता

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा सीएम योगी को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में ₹5.43 लाख करोड़ मूल्य के 72 लाख से अधिक क्रय आदेश पूरे किए गए, जो देश की सार्वजनिक खरीद प्रणाली के लिए एक नया कीर्तिमान है। GeM की स्थापना से लेकर अब तक 2.9 करोड़ से अधिक ऑर्डर्स के जरिए 14 लाख करोड़ से अधिक की खरीद हो चुकी है। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। GeM पर अब तक 11,000 से अधिक उत्पाद श्रेणियों और 330 से ज्यादा सेवा श्रेणियों को शामिल किया जा चुका है। इस प्रणाली के तहत उत्तर प्रदेश के क्रेताओं द्वारा पिछले पांच वित्तीय वर्षों में की गई खरीद राज्य की तकनीकी दक्षता, पारदर्शिता और नीतिगत दृढ़ता का प्रमाण है।

उन्होंने आगे लिखा, उत्तर प्रदेश सरकार ने 26 नवंबर 2024 को एक व्यापक सरकारी आदेश जारी किया, जिसने राज्य के खरीद नियमों को सामान्य वित्तीय नियम (जीएफआर) 2017 और GeM की सामान्य शर्तों व नियमों (जीटीसी) के साथ पूर्ण रूप से संरेखित किया। इस आदेश ने विभिन्न खरीद-संबंधी अधिसूचनाओं को एकीकृत कर एक समग्र ढांचा प्रदान किया, जिससे खरीद प्रक्रियाएं सरल हुईं और ट्रेड को 100% अपनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस कदम ने न केवल प्रशासनिक बोझ को कम किया, बल्कि पारदर्शिता, दक्षता और समावेशिता को भी बढ़ावा दिया।

देश में कोरोना सक्रिय मामले घटकर सात हजार से नीचे आये

नई दिल्ली। देश में पिछले तीन दिनों के दौरान कोरोना सक्रिय मामलों में कमी देखी गयी है और मंगलवार सुबह तक सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 6836 रही गयी। इससे पहले रविवार और सोमवार को कुल सक्रिय मामलों की संख्या क्रमशः 7383 और 7264 थी। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से एक और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 109 पहुंच गया है और 428 मामले घटने के साथ इनकी कुल सक्रिय मामलों की संख्या 6836 रह गयी। वहीं 1168 मरीजों के स्वस्थ होने से अभी तक इस वायरस से निजात पाने वालों की कुल संख्या 14772 पहुंच गयी है। गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में महाराष्ट्र में कोरान संक्रमण से एक मरीज की मौत हुयी है। इस अवधि में जहां 14 राज्यों और केन्दशासित प्रदेश में कोरोना के मामलों में वृद्धि देखी, वहीं 11 राज्यों में सक्रिय मामलों में कमी आयी है।

पिछ्ले 24 घंटों में जहां कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक सक्रिय मामले कर्नाटक से 105, हरियाण से 12, पंजाब से 10 और राजस्थान से 29 मामले सामने आये हैं और वहीं केरल में 261, दिल्ली में 94, गुजरात में 185 और महाराष्ट्र में 28 मामले कम हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है।मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश के 32 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में से 29 में कोरोना के सक्रिय मामले सामने आये हैं, जबकि तीन राज्यों मिजोरम, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का अभी कोई सक्रिय मामला नहीं है।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, हांलाकि आज सुबह तक 261 सक्रिय मामले कम होने के साथ इसका आंकड़ा 1659 रह गया है। राष्ट्रीय राजधानी में 94 मामले घटने से संक्रमितों की कुल संख्या घटकर 555 रह गयी। महाराष्ट्र में 28 मामले घटने से संक्रमितों की कुल संख्या घटकर 512 रह गयी और गुजरात में इसके मामलों की संख्या घटकर 1248 रह गयी है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में 747, कर्नाटक में 696, तमिलनाडु में 222, उत्तर प्रदेश में 278, राजस्थान में 251, हरियाणा में 103, मध्य प्रदेश में 137, आंध्र प्रदेश में 77, ओडिशा में 52, छत्तीसगढ में 51, बिहार में 37, सिक्किम में 45, पंजाब में 37, झारखंड में 32, असम में 22, मणिपुर में 19, जम्मू-कश्मीर में 15, तेलंगाना और पुडुचेरी में क्रमश- नौ-नौ, उत्तराखंड में सात, गोवा और लद्दाख में पांच-पांच, त्रिपुरा चार, चंड़ीगढ़ और नागालैंड़ में एक-एक सक्रिय मामले हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने लोगों से मास्क पहनने, बार-बार हाथ धोने और भीड़-भाड़ वाले इलाकों पर जाने से बचने की अपील की है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा, मौसमी वायरल बुखार के भी फैलने के साथ, स्वास्थ्य पेशेवरों ने कोरोना को अन्य संक्रमणों से अलग करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

अमरनाथ यात्रा मार्ग एक जुलाई से नो फ्लाइंग जोन घोषित

एजेंसी

श्रीनगर। आगामी अमरनाथ यात्रा के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जम्मू और कश्मीर सरकार ने पूरे तीर्थयात्रा मार्ग को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया है। केंद्र शासित प्रदेश के गृह विभाग ने अमरनाथ यात्रा के सभी मार्गों को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया है जिसमें पहलगाम और बालटाल दोनों मार्ग शामिल हैं। यह प्रतिबंध सभी प्रकार के हवाई उपकरणों पर लागू होता है जिसमें यूएवी, ड्रोन और गुब्बारे शामिल हैं।

सुरक्षा निर्देश 01 जुलाई से 10 अगस्त तक लागू रहेंगे। यह निर्णय केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा ऐसा करने की सलाह दिए जाने के बाद लिया गया है। यह प्रतिबंध चिकित्सा निकासी, आपदा प्रबंधन या सुरक्षाबलों द्वारा किए जाने वाले निगरानी अभियानों के मामलों पर लागू नहीं होंगे। ऐसे अपवादों के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बाद में जारी की जाएगी। वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी और 9 अगस्त को समाप्त होगी। पहलगाम हमले के मद्देनजर यात्रा के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। तीर्थयात्रा के लिए केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की 580 कंपनियों को तैनात किया जा रहा है।

मोहल्ला क्लीनिक था भ्रष्टाचार का बड़ा अड्डा : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछली सरकार की मोहल्ला क्लिनिक को भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा अड्डा करार देते हुए कहा है कि इलाज के नाम पर जनता को सिर्फ धोखा दिया गया। श्रीमती रेखा गुप्ता ने मंगलवार को तीस हजारी कोर्ट परिसर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन करने के बाद कहा कि पिछली सरकार में मोहल्ला क्लीनिक की क्या स्थिति थी यह किसी से छिपी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, मोहल्ला क्लीनिक पूरी तरह से घोटाला था। इसमें न देखभाल थी, न दवाएं। इसका एकमात्र उद्देश्य पैसा कमाना था। मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर नालों और गंदी जगहों पर पोटा केबिन में इसे खोला गया जहाँ प्रति मरीज 40 रुपये के हिसाब से डॉक्टर को भुगतान किया जाता था। ऐसी स्थिति में इलाज की गुणवत्ता की कल्पना की जा सकती है।÷ उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मोहल्ला क्लीनिक बनाने के नाम पर जो किराए पर जगह ली गई उसमें भी कई गुना अधिक भुगतान किया गया। मोहल्ला क्लीनिक पिछली सरकार के भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा अड्डा था।श्रीमती गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में आज एक साथ 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 17 जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पाँच साल पहले 2400 करोड़ रुपये धनराशि दिल्ली सरकार को दी गई, लेकिन पिछली सरकार ने अपने अहम के चक्कर में इस धनराशि का इस्तेमाल नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद उस धनराशि का इस्तेमाल किया जा रहा है और अगले साल मार्च तक 1140 आरोग्य मंदिर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोग्य मंदिर और मोहल्ला क्लीनिक में जमीन आसमान का फर्क है। उन्होंने कहा कि जहाँ-जहाँ आरोग्य मंदिर खुलते जाएँगे वहाँ पर मोहल्ला क्लीनिक को बंद कर दिया जाएगा। आरोग्य मंदिर में हर प्रकार की जाँच की सुविधा होगी और वहाँ क्वालिफाइड डॉक्टर होंगे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने जनऔषधि केंद्र सिर्फ़ इसलिए नहीं खोले क्योंकि उसमें प्रधानमंत्री जुड़ा था, लेकिन हमारी सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों में जनऔषधि केंद्र खोलने का निर्णय लिया है और आज 17 जनऔषधि केंद्र खोले गए हैं। वहीं दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र के बाबर रोड पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा आज दिल्ली में स्वास्थ्य क्रांति का दिवस है। दिल्ली के लिए 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और सस्ती दवाओं के लिए 17 नए जनऔषधि केंद्र, सिर्फ 100 दिन में केंद्र सरकार की संकल्पशक्ति और दिल्ली की नई सरकार की कार्यशक्ति का परिणाम है। इसके अलावा दिल्ली के सभी कैबिनेट मंत्री अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इन केंद्रों का उद्घाटन करेंगे।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना:कैप्टन सभरवाल का पार्थिव शरीर मुंबई पहुंचा

मुंबई। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गये एयर इंडिया के विमान 171 के कैप्टन सुमीत सभरवाल का पार्थिव शरीर मंगलवार सुबह मुंबई के पवई स्थित उनके आवास पर लाया गया। यह विमान 12 जून को अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें चालक दल के सदस्यों समेत 241 लोग मारे गए थे। बड़ी संख्या में लोग कैप्टन सबरवाल के निवास के पास अंतिम श्रद्धांजलि और शोक संतप्त परिवार को संवेदना देने के लिए इकत्र हुए। पवई स्थित जल वायु विहार में शोक की लहर छा गई। यह एक आवासीय परिसर है जिसमें सेवानिवृत्त वायुसेना अधिकारी और विमानन कर्मी रहते हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे में 144 लोगों के डीएनए सैंपल का हुआ मिलान : हर्ष सांघवी

एजेंसी

अहमदाबाद । एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों के डीएनए मिलान की प्रक्रिया जारी है। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने मंगलवार को डीएनए मैच को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि अब तक 144 शवों की पहचान की पुष्टि हो चुकी है। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,दोपहर 12 बजे तक 144 डीएनए नमूनों का मिलान हो चुका है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने बताया था कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए 64 लोगों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। इसके अलावा, 24 परिवार हमें सूचित करेंगे कि शव कब स्वीकार किए जाएंगे।इससे पहले गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना से मिली वस्तुओं के बारे में अहम जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि सामान को इकट्ठा कर पीड़ित परिवारों को सौंपा जाएगा। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट को रीशेयर किया था। उन्होंने लिखा, दुर्घटनास्थल पर मिले प्रत्येक सामान को सावधानीपूर्वक एकत्र किया जाएगा, उसका दस्तावेजीकरण किया जाएगा और संबंधित परिवारों को सौंप दिया जाएगा। हमारी टीम इन व्यक्तिगत वस्तुओं का पता लगाने और उनकी पहचान करने के लिए लगन से काम कर रही है और हम नागरिक उड्डयन विभाग के साथ मिलकर एक सुचारु और सम्मानजनक प्रक्रिया सुनिश्चित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 12 जून को एयर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। विमान में चालक दल के सभी 12 सदस्य और 230 यात्री सवार थे। हादसे में सिर्फ एक यात्री की जान बची है, जो भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक है। शेष 241 लोगों की जान चली गई थी। हादसे में जान गंवाने वालों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे। विमान में आग लगने के कारण उसमें सवार लोगों के शव इस कदर जल चुके हैं कि उनकी पहचान के लिए डीएनए परीक्षण जरूरी हो गया था। एयर इंडिया विमान हादसे में दोनों ब्लैक बॉक्स बरामद हो चुके हैं। इसके बाद जांचकर्ताओं ने जांच तेज कर दी है। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर), जिसे आमतौर पर दूसरा ब्लैक बॉक्स कहा जाता है, उसे मलबे के कॉकपिट भाग से निकाल लिया गया है। फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर पहले ही बरामद कर लिया गया था।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद, एक उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने बीते 24 घंटों के दौरान विभिन्न इलाकों में चलाए गए तलाशी अभियानों के दौरान भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और संचार उपकरण बरामद किए हैं। साथ ही एक उग्रवादी को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि थौबल जिले के नोंगपोक सेक्माई थाना क्षेत्र के लेइरोंगथेल पीट्रा इलाके में नहर के पास से पुलिस ने तलाशी के दौरान एक .303 राइफल और मैगजीन, एक डीबीबीएल गन, एक 9मिमी पिस्टल और मैगजीन, दो 9मिमी जिंदा कारतूस, दो 12 बोर कारतूस, चार एचई हैंड ग्रेनेड (नं. 36), चार डेटोनेटर, चार आर्मिंग रिंग, दो एमके-III ए2 ग्रेनेड, दो स्टन शेल (एन), तीन टीयर स्मोक शेल (सॉफ्ट नोज), एक टीयर स्मोक शेल (चिल्ली) तथा दो बाओफेंग रेडियो सेट चार्जर बरामद किए। इसी तरह इंफाल वेस्ट जिले के पत्सोई थाना क्षेत्र के संगईथेल माखा लेइकाई से एक 7.62 मिमी एसएलआर राइफल और दो मैगजीन बरामद किए गए। संगईथेल और हेइबिलोक क्षेत्रों से पुलिस ने एक एक्सकैलिबर राइफल (2 जिंदा 5.56 मिमी राउंड सहित), तीन बोल्ट-एक्शन राइफल (बिना मैगजीन), एक देशी 9मिमी पिस्टल और मैगजीन, चार 12 बोर जिंदा कारतूस तथा दो बाओफेंग वॉकी-टॉकी बरामद किए। इसके अतिरिक्त, चुराचांदपुर जिले के तुइबोंग क्षेत्र से सीकेएनडीएफ/ए (गैर-एसओओ समूह) के एक कैडर नगामखोसात तौथांग उर्फ सासात (38) को उसके निवास से गिरफ्तार किया गया।

उसके खिलाफ म्यांमार से हथियार व ड्रग्स तस्करी, फिरौती वसूली और अपहरण जैसे मामलों में केस दर्ज हैं। उल्लेखनीय है कि 16 मई को इसकी छिपने की जगह से भी एक देशी पिस्टल, तीन 9 मिमी कारतूस और सीकेएनडीएफ/ए के पांच लेटरहेड जब्त किए गए थे। पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान और गिरफ्तारियों का उद्देश्य राज्य में असमाजिक तत्वों पर लगाम कसना और शांति बहाल करना है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने लिखा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को पत्र

तीन बड़ी जल परियोजनाओं को जल्द लागू करने का किया आग्रह

एजेंसी

जयपुर । राजस्थान को बड़ी राहत मिल सकती है । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल को एक अहम पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने चिनाब नदी बेसिन से जुड़ी तीन बड़ी जल परियोजनाओं को जल्द लागू करने का आग्रह किया है। इन प्रस्तावों से चिनाब जैसी हिमालय से निकलने वाली नदियों का अतिरिक्त पानी अब ब्यास, रावी और उझ जैसी पूर्व की ओर बहने वाली नदियों में लाया जा सकेगा। इससे उत्तर भारत के कई राज्यों के साथ-साथ राजस्थान को भी बड़ा फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने लिखा-राजस्थान को करीब 1.0 MAF (मिलियन एकड़ फीट) पीने के पानी के लिए, 1.0 MAF सिंचाई के लिए और 0.2 क्स्त्र औद्योगिक जरूरतों के लिए पानी की जरूरत है। साथ ही, राजस्थान के पास पहले से मौजूद प्राकृतिक झीलों और जलाशयों में 1.0 MAF पानी जमा करने की भी क्षमता है। इन तीन मुख्य योजनाओं से राजस्थान को यह फायदा होगा ।

1. ब्यास और सतलुज नदी में अतिरिक्त पानी पहुंचेगा, जिससे हरियाणा, पंजाब, दिल्ली के साथ-साथ राजस्थान को भी फायदा मिलेगा।

2. इंदिरा गांधी नहर को और ज्यादा पानी मिल सकेगा, जिससे पश्चिमी राजस्थान की बड़ी आबादी को सिंचाई और पीने के लिए राहत मिलेगी।

3. औद्योगिक क्षेत्रों को जल आपूर्ति आसान होगी, जिससे नए निवेश और रोजगार के रास्ते खुलेंगे।

एयर इंडिया के एक और विमान में आई तकनीकी खराबी, अहमदाबाद से लंदन जाने वाली फ्लाइट कैंसिल

एजेंसी

अहमदाबाद । अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एयर इंडिया की फ्लाइट में लगातार तकनीकी खामियां मिल रही हैं। इस बीच, अहमदाबाद से लंदन जाने वाली एयर इंडिया की एक और फ्लाइट रद्द हो गई है।

जानकारी के अनुसार, एयर इंडिया फ्लाइट के उड़ान से कुछ घंटे पहले ही उसमें तकनीकी खराबी का पता चला था। इसके बाद एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई 159 को रद्द कर दिया गया। यह फ्लाइट अहमदाबाद से लंदन के लिए मंगलवार दोपहर 1¬10 बजे रवाना होने वाली थी, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट रद्द कर दी गई। पता चला है कि एयर इंडिया की फ्लाइट में 200 से अधिक लोग यात्रा करने वाले थे, जो फ्लाइट के कैंसिल होने से प्रभावित हुए हैं।

इससे पहले, मंगलवार को कोच्चि से दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान की बम की सूचना मिलने के बाद नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग की गई थी। इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2706 ने कोच्चि से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। विमान को बम की धमकी के बाद नागपुर में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। पुलिस और अग्निशमन दल विमान की जांच कर रहे हैं। सुबह ही सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट को कोलकाता में खाली कराया गया था। सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट के इंजन में तकनीकी खराबी आई, जिसके कारण मंगलवार को शहर के एयरपोर्ट पर निर्धारित ठहराव के दौरान यात्रियों को विमान से उतारना पड़ा। बता दें कि पिछले गुरुवार (12 जून) को एयर इंडिया का विमान हादसे का शिकार हो गया था। इस फ्लाइट ने अहमदाबाद से लंदन जाने के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ देर बाद ही विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में 230 यात्री और चालक दल के 12 सदस्य सवार थे। इस हादसे में केवल एक यात्री विश्वास कुमार रमेश जीवित बचे, जो सीट नंबर 11ए पर बैठे थे। वह भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक हैं।

जातीय जनगणना का कार्य देशहित में समय और ईमानदारी से पूरा होना चाहिए : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना कराने की तिथियों का ऐलान कर दिया है। इसको लेकर राजनेता अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इसी बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जातीय जनगणना का कार्य देशहित में अब समय से ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। केंद्र सरकार इस पर ध्यान दे।बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट कर कहा, भाजपा ने केंद्र में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के बारे में जो अपार उपलब्धियां गिनाई, जो जमीनी हकीकत में लोगों की गरीबी, बेरोजगारी, दुख-दर्द आदि दूर करने अर्थात जन व देशहित में कितनी लाभदायक रही हैं, ये सही समय आने पर जनता खुद उनको इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा कि देश में राष्ट्रीय व जातीय जनगणना का भी कार्य कांग्रेस के समय से लटका पड़ा था। इस पर काफी आवाज उठाने के बाद अब इस मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनगणना का कार्य समय व ईमानदारी से पूरा होना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मामलों में पार्टी के लोगों को सही तथ्यों से अवगत कराने व उन्हें सजग करने के साथ ही पार्टी के संगठन से सम्बन्धित दिये गए कार्यों की समीक्षा की जा रही है। उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की भी छोटी-छोटी बैठकों के जरिए विचार-विमर्श लगातार जारी है। साथ ही साथ ही पार्टी हित में इन पर पूरा ध्यान जरूरी है। उन्होंने कहा कि बिहार में होने वाले विधानसभा आमचुनाव से सम्बन्धित रणनीति पर भी तैयारी जारी हैं, ताकि बेहतर परिणाम मिल सकें।

'ठग लाइफ' पर प्रतिबंध से सुप्रीम कोर्ट नाराज, कर्नाटक सरकार से मांगा 24 घंटे में जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। मशहूर फिल्म अभिनेता कमल हासन की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'ठग लाइफ'को आवश्यक कानूनी प्रावधानों को पालन किये बगैर कर्नाटक के सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने पर प्रतिबंध लगाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए राज्य सरकार को अगले 24 घंटे के अंदर जवाब देने का मंगलवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने प्रतिबंध को चुनौती देने वाली महेश रेड्डी की ओर से दायर एक जनहित याचिका पर यह आदेश पारित किया। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से यह दलील दिए जाने के बाद कि इस विवाद के मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है, पीठ ने मौखिक तौर पर कहा कि वह उसे (याचिका) शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का निर्देश देगी।

अदालत ने निर्देश देते हुए कहा कि एक बार जब फिल्म केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा प्रमाणित हो जाती है तो भीड़ थिएटर मालिकों को डरा धमकाकर उसके प्रदर्शित करने पर पर प्रतिबंध लगाने पर मजबूर नहीं कर सकती। इससे पहले 13 जून को न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस (शीर्ष अदालत की) पीठ ने इस फिल्म पर प्रतिबंध के खिलाफ श्री रेड्डी की याचिका पर कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी करके अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया था।

योग बंधन में किया योगाचार्यों ने योग

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के मद्देनजर मंगलवार को योगाभ्यास का आयोजन किया जिसमें दुनिया भर से योग संस्थाओं के प्रमुखों ने हिस्सा लिया। संस्थान के प्रांगण में आयोजित योग सत्र में योग ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष जोश प्रायर, ऑस्ट्रिया में योग इन डेली लाइफ के वरिष्ठ प्रतिनिधि ग्रेगर कोस, ब्राज़ील में साओ पाउलो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डेनिलो फोर्घिएरी सांताएला, चीन में योगी योग की संस्थापक यिन यान, डेनमार्क के योग विशेषज्ञ मेजर इंगेमैन-मोल्डेन, इंडोनेशिया के इंडोनेशियाई राष्ट्रीय योग चिकित्सक संघ के अध्यक्ष स्लामत रियान्टो, कजाकिस्तान में शक्ति योग स्टूडियो की निदेशक विद्या वोल्कोवा, मलेशिया के मलेशिया योग सोसायटी और मलेशिया योग प्रशिक्षक संघ के संस्थापक मणिसेकरन और मलेशिया में अक्सिनोम योग की सह संस्थापक सिंथामनी अरुणासलम शामिल हुए। इनके अलावा रूस में योग चिकित्सक इरीना फुरसोवा, योग चिकित्सक, सिंगापुर में प्रज्ञा योग और वेलनेस की निदेशक डॉ. सुजाता काउलगी, दक्षिण कोरिया में प्रतिष्ठित इंडोलॉजिस्ट पुरस्कार 2019 के प्राप्तकर्ता प्रो. जियो-लियोंग ली, दक्षिण अफ्रीका में योग शिक्षक कुगन नायडू , दक्षिण अफ्रीका में योग विशेषज्ञ सिवलुचिम नायडू, स्पेन में प्रसिद्ध योग चिकित्सक जोस मारिया मार्केज़ जुराडो (गोपाला), श्रीलंका के फिल्म निर्माता विमुक्ति जयसुंदरा और अर्जेंटीना में सांता फ़े प्रांत के प्रतिनिधि रोसियो बेलेन बोनाची ने भी योगाभ्यास किया।

हज 2026 के इच्छुक लोगों को पासपोर्ट तैयार रखने की सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली।हज 2026 की घोषणा जुलाई 2025 में संभावित है, क्योंकि सऊदी अरब के हज और उमरा मंत्रालय ने हज 2026 (हिजरी 1447) के लिए प्रशासनिक दिशा-निर्देश 8 जून को जारी कर दिए हैं। हज कमेटी ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शानवास सी. ने एक परिपत्र में भारत के उन तमाम इच्छुक लोगों को सुझाव दिया है, जो हज 2026 (1447 हिजरी) में हज कमेटी ऑफ इंडिया के माध्यम से यात्रा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपना मशीन रीडेबल अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट, पहले से तैयार रखें, जिसकी वैधता कम से कम 31 दिसंबर 2026 तक हो।

भाजपा विधायकों ने बांग्लादेश में रबिंद्र नाथ टैगोर के पैतृक निवास संग्रहालय पर सुनियोजित तोड़फोड़ के खिलाफ किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में सोमवार को भाजपा सांसदों और विधायकों ने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग पर बांग्लादेश में भारत रत्न गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर के पैतृक आवास को तोड़े जाने पर विशाल प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि रविन्द्र नाथ टैगोर वह महान पुरुष हैं जिनकी लिखी गए दो गीत दो देशों भारत और बांग्लादेश के राष्ट्र गान हैं। उन्होंने कहा कि उनके पैतृक घर पर सुनियोजित तरीके से तोड़फोड़ करना सिर्फ एक हमला नहीं बल्कि यह बांग्ला संस्कृति पर हमला है। यह हिंदू संस्कृति पर हमला है। सचदेवा ने कहा कि बांग्ला संस्कृति गाना, मीठी बातें, कला और कल्चर की बातें करती है लेकिन उसे अगर कोई अपमानित करने की कोशिश करेगा तो हिंदुस्तान का हर व्यक्ति आवाज उठाएगा। उन्होंने कहा कि भारत अगर किसी देश की सहायता करता है तो उस देश में हिंदुओं के साथ हो रहे अन्याय पर चुप नहीं बैठने वाला है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने सांविलया लहजें में पूछा कि बांग्लादेश का राष्ट्रीय गाना आमार बांग्ला सोनार जिसका मतलब है कि मेरा सोना का बांग्ला लेकिन आज उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या आज बांग्लादेश सोना रह गया है क्या?

दिल्ली महापौर ने एमसीडी के 200 दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों को नियमित करने संबंधी किए पत्र प्रदान

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने दुर्घटना में पैर गंवाने वाले सफाई कर्मचारी शीशा पाल के आश्रित पुत्र को दिल्ली नगर निगम में नियमित आधार पर नौकरी का नियुक्ति का पत्र प्रदान किया। इसके साथ ही एमसीडी के 200 दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों को नियमित करने संबंधी पत्र भी प्रदान किए। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि नगर निगम की भाजपा सरकार निगम के सफाई कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील है। इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली नगर निगम की भाजपा सरकार द्वारा सत्ता में आते ही सफाई कर्मचारियों के नियमितीकरण का कार्य तेज कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्थायी समिति बने अभी कुछ ही हफ्ते हुए हैं और 200 सफाई कर्मचारियों को आज नियमित किया जा रहा है। महापौर ने कहा कि जल्द ही बाकी बचे अस्थायी सफाई कर्मचारियों को भी तेजी से नियमित किया जाएगा। सिंह ने कहा कि सफाई कर्मचारी नगर निगम की रीढ़ है। जो दिल्ली को स्वच्छ व स्वस्थ रखने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सफाई कर्मी हमारे स्वच्छता सैनिक हैं जो शहर को स्वच्छ रखकर सभी नागरिकों को बीमारियों से रक्षा करते हैं।

कमरे के अंदर मिला युवक का शव

नई दिल्ली। सीलमपुर इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया जब गौतमपुरी की गली नंबर 10 स्थित एक घर से दुर्गंध आने की सूचना पुलिस को मिली। घटना दोपहर करीब 2:25 बजे की है जब स्थानीय लोगों ने पुलिस को शिकायत दी कि एक मकान से तेज दुर्गंध आ रही है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पाया कि मकान की दूसरी मंजिल पर स्थित एक कमरा अंदर से बंद था। मामले की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर कमरे के अंदर एक व्यक्ति का शव सड़ी-गली अवस्था में पड़ा था। पुलिस के मुताबिक जांच में मृतक की पहचान कुणाल सिंह के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुणाल सिंह अकेले रहते थे और किसी से ज्यादा बातचीत नहीं करते थे। पड़ोसियों ने बताया कि उन्हें पिछले तीन दिनों से नहीं देखा गया था। सूचना मिलने के बाद क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम को मौके पर बुलाया गया। जिन्होंने घटनास्थल की बारीकी से जांच की। शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

भारतीय चाहें तो देश की अर्थव्यवस्था को खुद बहुत बड़ा कर सकते हैं : सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली सरकार के शुरुआती 100 दिनों के कार्यों की झलक भी देखने को मिली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर भारतीय चाहें तो अपने देश की अर्थव्यवस्था को खुद बहुत बड़ा कर सकते हैं। रेखा गुप्ता ने प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद कहा, आजकल लोगों को विदेशों में जाने का चस्का लगा है, अगर कहीं जाना है तो पहले देश घुमें। पीएम मोदी बहुत भक्ति से देश के लिए काम कर रहे हैं। लोगों को खादी के कपड़ों का इस्तेमाल करना चाहिए, हाथ के काम की बहुत प्रशंसा होती है। भारतीय चाहें तो अपने देश की

अर्थव्यवस्था को खुद बहुत बड़ा कर सकते हैं। उद्घाटन की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए मुख्यमंत्री ने दिल्ली में आयुष्मान योजना के लागू होने की तारीफ की। उन्होंने लिखा, वर्षों तक दिल्ली के गरीब आयुष्मान भारत जैसी महत्वपूर्ण योजना से वंचित रहे।

लेकिन अब माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्र सरकार के सहयोग से यह लंबा इंतजार समाप्त हुआ। अब दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू हो चुकी है, ताकि हर जरूरतमंद को सम्मानजनक और निःशुल्क उपचार मिल सके। भाजपा सरकार के कार्यकाल में दिल्ली में हो रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा, इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी दिल्ली को वर्षों तक केवल घोषणाओं और अधूरे वादों का सामना करना पड़ा। आज, केंद्र सरकार के समर्थन और दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता से राजधानी में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण तेजी से हो रहा है। फ्लाईओवर हों, मेट्रो कनेक्टिविटी हो या जल-निकासी की आधुनिक व्यवस्था, दिल्ली अब बदलाव की राह पर अग्रसर है। उन्होंने लिखा, भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रदर्शनी माननीय प्रधानमंत्री जी के 11 वर्षों के सुशासन, सेवा और संकल्प की झलक है। साथ ही दिल्ली में बीते 100 दिनों में लिए गए निर्णायक फैसलों और तेज गति से हुए कार्यों का भी प्रतिबिंब है। यह प्रदर्शनी दिल्ली की उस नई दिशा की कहानी कहती है, जहां विकास दिखता है, सुशासन महसूस होता है और सेवा अनुभव होती है।

चौधरी ब्रह्म प्रकाश का दूरदर्शी नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा: विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को कहा कि ÷चौधरी ब्रह्म प्रकाश का दूरदर्शी नेतृत्व और उनकी अमर विरासत सदैव प्रेरणा स्रोत बनी रहेगी। उन्होंने यह वक्तव्य दिल्ली विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी की 107वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिया। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में अध्यक्ष गुप्ता के अलावा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, लोक निर्माण एवं विधायी कार्य मंत्री परवेश साहिब सिंह, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण, सहकारिता एवं निर्वाचन मंत्री इन्द्राज सिंह, नगर निगम के उपमहापौर जय भगवान यादव तथा मुख्य सचेतक अभय वर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान चौधरी ब्रह्म प्रकाश के जीवन से जुड़ी दुर्लभ और ऐतिहासिक झलकियों की एक विशेष फोटो प्रदर्शनी भी विधानसभा परिसर में लगाई गई। विजेंद्र गुप्ता ने अपने संबोधन में चौधरी ब्रह्म प्रकाश के योगदान को याद करते हुए कहा कि 15 मार्च 1979 को तत्कालीन नेता स्व. साहिब सिंह वर्मा द्वारा दिल्ली विधानसभा परिसर में चौधरी ब्रह्म प्रकाश की प्रतिमा की स्थापना की गई थी, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि स्व. साहिब सिंह वर्मा स्वयं चौधरी ब्रह्म प्रकाश से गहराई से प्रभावित थे और उन्हें अपना राजनीतिक मार्गदर्शक मानते थे।

केंद्र ने जनगणना से जुड़ी अधिसूचना जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 2027 में होने वाली 16वीं जनगणना के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी कर दी है। इस जनगणना में पहली बार जाति गणना भी शामिल होगी। अधिसूचना के अनुसार लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के केंद्र शासित प्रदेशों में जनगणना 1 अक्टूबर, 2026 की मध्यरात्रि से शुरू होगी, जबकि देश के बाकी हिस्सों में गिनती 1 मार्च, 2027 की मध्यरात्रि से शुरू होगी।अधिसूचना में कहा गया है, ÷केंद्रीय सरकार, जनगणना अधिनियम, 1948 (1948 का 37) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (द्धद्ध), तारीख 28 मार्च, 2019 में प्रकाशित भारत सरकार के गृह मंत्रालय (भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय) की अधिसूचना संख्या का.आ. 1455(अ), तारीख 26 मार्च, 2019 के अधिक्रमण में उन बातों के सिवाय जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है. यह घोषणा करती है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी। अधिसूचना में कहा गया है, जनगणना के लिए संदर्भ तारीख, संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख के और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से घिरे असमकालिक क्षेत्रों के सिवाय, मार्च, 2027 के पहले दिन के 00:00 बजे होगी। अधिसूचना में कहा गया है, 'संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख , जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फ से घिरे असमकालिक क्षेत्रों के संबंध में, संदर्भ तिथि 1 अक्टूबर, 2026 को 00ः00 बजे होगी। अधिसूचना जारी करने से एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आगामी जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की थी। जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण यानी हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) में प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं के बारे में जानकारी एकत्र की जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना (पीई) में प्रत्येक घर के प्रत्येक व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य जानकारी एकत्र की जाएगी। जनगणना में जाति गणना भी की जाएगी। जनगणना कार्य के लिए लगभग 34 लाख कर्मचारी और पर्यवेक्षक तथा लगभग 1.3 लाख जनगणना पदाधिकारी तैनात किए जाएंगे।

जातिगत जनगणना सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। जातिगत जनगणना का गजट नोटिफिकेशन जारी होने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी का कहना है कि मोदी सरकार के जरिए जातिगत जनगणना का निर्णय एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि जनगणना का फॉर्म भरते समय मुसलमान अपनी जाति की सही जानकारी दें और कट्टरपंथी मौलानाओं के बहकावे में नहीं आएं, क्योंकि यह सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम है। पहली बार मुस्लिम समुदाय के भीतर मौजूद जातियों की भी विस्तृत गिनती की जाएगी। अब तक मुस्लिमों को केवल एक धार्मिक समूह के रूप में दर्ज किया जाता रहा है, जिससे उनके भीतर की सामाजिक और आर्थिक विविधताओं पर स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं थी। इस जनगणना से मुस्लिम समुदाय की जातियों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति से जुड़े ठोस आंकड़े सामने आएंगे, जो नीति निर्माण और सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण

आधार बन सकते हैं। जमाल सिद्दीक़ी ने कहा कि पसमांदा मुसलमान मुस्लिम कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं और अपनी जाति की सही जानकारी उपलब्ध कराएं क्योंकि कुछ कट्टरपंथी मौलानाओं द्वारा गुमराह करने के लिए लोगों से अपील की जा रही की जातिगत जनगणना के दौरान मुस्लिम अपनी जाति इस्लाम बताएं। जबकि यह जातिगत जनगणना है, धार्मिक जनगणना नहीं। जाति संस्कृति का हिस्सा है, धर्म का हिसा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय संस्कृति में जातियां होती हैं जिसके द्वारा मुस्लिम समाज के भीतर भी जातिगत विविधताओं को सामने लाया जाएगा, तो उस एकरूपता की धारणा टूटेगी। इस पहल का सबसे बड़ा असर पसमांदा मुस्लिम समुदाय पर पड़ सकता है। मुस्लिम समाज में भी 85 फीसद जनसंख्या पसमांदा मुसलमानों की है, जो पिछड़े हुए हैं, लेकिन सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र में उन्हें प्रतिनिधित्व नहीं मिलता है। लेकिन ठोस आंकड़े नहीं होने के कारण उनकी आवाज अनसुनी कर दी जाती है। देश के सभी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड में भी एक भी पसमांदा मुसलमान सदस्य नहीं है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

एजेंसी

भोपाल। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू होंगी। साथ ही, राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्री भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा जिनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशानिर्देश/मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के एनसीसी निदेशालय के सहयोग से सिकल सेल मित्र पहल की शुरुआत भी की जायेगी। सिकल सेल मित्र युवा आबादी में जागरूकता के लिए सेवा प्रदाताओं के बीच लिंक के रूप में कार्य करेंगे। जनसंपर्क अधिकारी अंकुश मिश्रा ने बताया कि पूरे प्रदेश में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता लाने की गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। सिकल सेल प्रभावित 33 जिलों में विशेष परामर्श शिविर लगाए जाएंगे। यहां आनुवंशिक परामर्श, रोग प्रबंधन, भावी पीढ़ी के लिए संभावनाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। उप-केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर रोगियों की पहचान, स्क्रीनिंग तथा परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जायेगी। सिकल सेल रोगियों और उनके देखभाल कर्ताओं को पेन क्राइसिस जैसी स्थितियों में प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। प्रभावित जिले की विशेष रूप से प्रभावित जनजातीय एवं ग्रामीण पंचायतों में स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए अभियान चलाया जाएगा। राज्य स्तर पर विकसित जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड का वितरण किया जाएगा, जिससे लोगों को आनुवंशिक जानकारी समझने में सुविधा होगी। दिव्यांगता योजनाओं और वित्तीय सहायता से सिकल-सेल रोगियों को जोड़ने की प्रक्रिया सरल करने के लिए यूडीआईडी कार्ड निर्माण के लिए मेगा शिविर भी लगाए जाएगे।

प्रदेश में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 6 लाख से अधिक नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की जा चुकी है और इनमें से 2 लाख से अधिक वाहक चिन्हित हुए और 29,277 लोग सिकल सेल रोग से ग्रसित पाए गए। इन मरीजों का उपचार जारी है। अब तक 80 लाख 9 हजार से अधिक सिकल सेल कार्ड वितरित किए जा चुके हैं जिनसे प्रभावित नागरिक अपनी स्वास्थ्य स्थिति को समझ कर उचित उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

नेशनल सिकल सेल पोर्टल के माध्यम से स्क्रीनिंग व उपचार की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है। रोगियों को निःशुल्क उपचार, जेनेटिक काउंसलिंग, औषधियां, वैक्सीनेशन एवं ब्लड ट्रांस्फ्यूजन की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक 26,115 रोगियों को हाईड्रॉक्सीयूरिया दवा से उपचार मिला है। विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर जनजातीय स्कूलों, कॉलेजों व छात्रावासों में स्क्रीनिंग शिविर भी सतत आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश में मिशन की शुरुआत 15 नवंबर 2021 को राज्य हिमोग्लोबिनोपैथी मिशन के रूप में अलीराजपुर और झाबुआ में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की थी।

तेलंगाना मॉडल पर हो जाति जनगणना : इमरान मसूद

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार द्वारा जनगणना के लिए अधिसूचना जारी करने के बाद अब देश में सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने तेलंगाना मॉडल पर जाति जनगणना कराने की मांग की है और इसके स्पष्ट प्रारूप की वकालत की है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सोमवार को समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, अगर जनगणना तेलंगाना के प्रारूप के अनुसार होगी तो यह सार्थक होगी, लेकिन अगर इसे बिहार की तरह किया जाएगा तो यह निरर्थक होगी। इसलिए प्रारूप को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए। तेलंगाना में जनगणना एक व्यापक डोर-टू-डोर सर्वे के रूप में आयोजित की गई, जिसमें राज्य के सभी 33 जिलों को शामिल किया गया। महाराष्ट्र के पुणे में पुल ढहने की घटना पर कांग्रेस सांसद ने कहा, भ्रष्टाचार स्पष्ट रूप से मौजूद है, भ्रष्टाचार का मुद्दा कहां चला गया? चाहे पुल गिरे या लोग मरें, इस देश में अब कुछ भी मायने नहीं रखता। इतना खराब मौसम होने के बाद हेलीकॉप्टर क्यों उड़ाया जा रहा था, इसका जवाब कौन देगा? अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश हुआ, यह बड़ी दुर्घटना थी, लेकिन खराब मौसम में हेलीकॉप्टर उड़ाने का क्या मतलब समझा जाए? साइप्रस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि डिजिटल पेमेंट के मामले में भारत सबसे आगे है। इस पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि भारत बेरोजगारी में भी सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि युवाओं को देश की तरक्की के साथ नहीं जोड़ा जा रहा है। देश में 65 प्रतिशत आबादी युवाओं की है और देश के नवजवान परेशान हो रहे हैं, इससे ज्यादा दुखद क्या होगा?

कांग्रेस के दबाव के चलते सरकार जाति जनगणना कराने पर मजबूर हुई : सप्तगिरि उलाका

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जाति जनगणना को लेकर अधिसूचना जारी करने के बाद कांग्रेस सांसद सप्तगिरि उलाका ने दावा किया है कि कांग्रेस पार्टी के दबाव के चलते केंद्र सरकार को जाति जनगणना कराने पर मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने इसके लिए स्पष्ट समय सीमा की मांग की है। सप्तगिरि उलाका ने समाचार एजेंसी से कहा, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के लगातार दबाव के कारण सरकार जाति जनगणना कराने के लिए मजबूर हुई। हालांकि, हमारी मांग सिर्फ जाति जनगणना की घोषणा के लिए नहीं है, हम एक स्पष्ट समयसीमा, आवंटित बजट का विवरण और जनगणना के संचालन के लिए अपनाए जाने वाले मॉडल के बारे में स्पष्टता चाहते हैं। हम नहीं चाहते कि जाति का नाम लेकर यह किया जाए। तेलंगाना में जिस तरह से बातचीत कर मॉडल निकाला गया है, वैसे ही होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे विपक्ष को लेकर इस पर चर्चा करें।बता दें कि यह पहली बार है, जब जाति गणना को जनगणना में शामिल किया जा रहा है। हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में केंद्र ने जाति आधारित गणना को मंजूरी दी थी, ताकि सरकार बेहतर नीतियां बना

सके और इन्हें लक्ष्य-आधारित कर सके। सप्तगिरि उलाका ने ओडिशा सरकार के एक साल पूरे होने पर कहा कि इस एक साल में राज्य में कोई भी काम नहीं किया गया है। लेकिन हर जगह घूमकर सरकार विकास मेला कर अपनी उपलब्धियों को गिना रही है। सरकार ने हर वृद्ध, विधवा और दिव्यांग लोगों को 3,000 रुपए पेंशन देने का वादा किया था। बिजली फ्री करने, हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने जैसे कई वादे किए थे, लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि ओडिशा सरकार हर मोर्चे पर फेल है, कानून-व्यवस्था खराब हो चुकी है और इस सरकार में भ्रष्टाचार हो रहा है। राज्य में महिलाओं पर अत्याचार, बेरोजगारी और पलायन बढ़ा है, विकास नहीं। आदिवासी मुख्यमंत्री होने के नाते लोगों को उम्मीद थी कि आदिवासियों की रक्षा करेंगे, लेकिन शोषण बढ़ गया है।

पीएम मोदी बेखौफ कनाडा गए, जहां से उन्हें धमकियां मिलती थीं : एमएस बिट्टा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कनाडा के दौरे पर गए हैं। 'ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट' के अध्यक्ष एम.एस. बिट्टा ने कहा कि प्रधानमंत्री देशहित में कनाडा गए हैं। वह बेखौफ होकर ऐसे देश में गए हैं, जहां से उन्हें मारने की धमकियां दी जाती रहीं हैं। बिट्टा ने समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा, मुझे भारत के पूरे सिख समुदाय से शिकायत है। जब हमारे प्रधानमंत्री को विदेश में गाली दी जाती है तो पूरा समुदाय चुप क्यों रहता है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दी योगी हैं और राष्ट्र को बचाने के लिए अपना धर्म भी निभा रहे हैं। जी-7 सम्?मेलन में शामिल होना अलग बात है, पर उस गढ़ में जाना जहां पर उनकी जिंदगी के लिए चुनौतियां हैं, बड़ी बात है। पीएम किसी और मंत्री को इस सम्?मेलन में भाग लेने के लिए भेज सकते थे, लेकिन वह खुद इस सम्मेलन में आतंकवाद का मुद्दा उठाएंगे। ऐसे में हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है। उन्होंने कहा कि कनाडा की धरती से कई वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को बार-बार जान से मारने की धमकियां मिलती रही हैं। प्रधानमंत्री कफन बांधकर अपने देश के लिए बगैर किसी खौफ से उस गढ़ में जा रहे हैं, जहां आईएसआई के एजेंट और खालिस्तानी हैं। यह सब

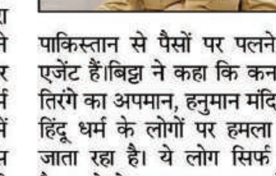

पाकिस्तान से पैसों पर पलने वाले एजेंट हैं।बिट्टा ने कहा कि कनाडा में तिरंगे का अपमान, हनुमान मंदिर और हिंदू धर्म के लोगों पर हमला किया जाता रहा है। ये लोग सिर्फ खौफ फैला रहे थे, वह अब समाप्त हो गया है। पीएम मोदी के कनाडा जाकर सम्मेलन में भाग लेने से पंजाब में खालिस्तान का नारा लगाने वाले और पाकिस्तान के एजेंटों की आंखें खुलेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खालिस्तानियों के गढ़ में चले गए हैं। अब खालिस्तानियों के सुधरने की बारी है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पीएम मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल को बताया 'युग परिवर्तक'

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 11 वर्ष और दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर सोमवार को यहां एक प्रदर्शनी लगाई गई। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हम पीएम मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल को देखें तो इसमें सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए काम किया गया है। इसे हम सही मायनों में युग परिवर्तन कहते हैं। यह 11 साल प्रगति और भरोसे के हैं। 11 साल के इस स्वर्णिम काल ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में अग्रसर किया है।

उन्होंने कहा कि आज जो यह प्रदर्शनी शुरू की गई है, इसे हम दिल्ली की जनता के बीच लेकर जाएंगे। प्रदर्शनी में पीएम मोदी के 11 साल और दिल्ली सरकार के 100 दिन की सफलताओं के बारे में बताया गया है। 100 दिन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने जिस तरह से काम किया है, इसे दिल्ली की जनता को

बताएंगे। दिल्ली के अलग-अलग जिलों में यह प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

सीएम रेखा गुप्ता ने केंद्र सरकार के 11 साल और दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे करने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि दिल्ली में ÷डबल इंजन सरकार÷ ने जिस तरह से काम करना शुरू किया है, वह सराहनीय है। केंद्र ने हमेशा दिल्ली के लिए काम किया है, लेकिन दुर्भाग्य से पिछली सरकार ने न तो उनके प्रयासों को पहचाना और न ही उन्हें श्रेय दिया। आज जब हम दिल्ली को देखते हैं, तो हम देख सकते हैं कि हमें बेहतरीन बुनियादी ढांचे के विकास में केंद्र से महत्वपूर्ण सहयोग मिला है। हरदीप सिंह पुरी ने भी पीएम मदी के 11 साल के कार्यकाल को सराहा। उन्होंने कहा कि हमें अब विकास के वादों को पूरा करना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि दिल्ली को वह मिले जिसकी वह हकदार है।

कांग्रेस को न तो विदेश नीति समझ में आती है और न ही राष्ट्रहित : मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस यात्रा को कांग्रेस की ओर से इवेंट बताए जाने पर भाजपा भड़क गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस यह स्वीकार नहीं कर पा रही है कि पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत तेजी से विकास कर रहा है और लगातार आगे बढ़ रहा है। नकवी ने कहा कि भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। कांग्रेस को यह स्वीकार करना चाहिए कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है।मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने बातचीत के दौरान कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कुंठित कटुता के कबाड़खाने में फंसी कांग्रेस पार्टी को न तो विदेश नीति समझ में आती है और न ही राष्ट्रहित। हमारी विदेश नीति राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतरता बनाए रखते हुए आगे बढ़ रही है और इसके लिए हमें उनसे अनुमोदन के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने अपने परिवार की प्राथमिकताओं के आधार पर विदेश नीति को आकार देने की कोशिश की। उनके लिए राष्ट्रहित महत्वपूर्ण नहीं है। पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा पर कांग्रेस नेताओं के बयानों पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि जब किसी का दिमाग खराब हो जाता है, तो वह भ्रमित करने वाले सवाल उठाने लगता है और अनावश्यक अराजकता पैदा करता है। यह स्पष्ट कर दूं कि प्रधानमंत्री सिर्फ एक राजनीतिक दल के नहीं हैं, वह पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। वह हमेशा देश के हितों को सर्वोपरि रखते हुए प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। नकवी ने आगे कहा कि हमेशा से यह परंपरा रही है कि जब प्रधानमंत्री या कोई राष्ट्रीय नेता विदेश में हो, तो देश के भीतर भय और भ्रम पैदा करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। लेकिन, कांग्रेस अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रही है। भारत की जनता कांग्रेस का असली चेहरा देख रही है।

संपादक की कलम से

एक ही झूठ को बार बार दोहराने से वह सच नहीं हो जाता

यह काफी पुरानी कहावत है कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो वह सच लगने लगता है। सोशल मीडिया के जमाने में यह बात और भी सही साबित हो रही है। फर्जी खबरों से परेशान होकर गूगल और फेसबुक ने वादा किया है कि वे इस समस्या से निपटने के प्रयास कर रहे हैं। मगर सवाल यह है कि क्या यह वाकई एक समस्या है और क्या लोग वाकई इतने भोले-भाले होते हैं कि झूठ को बार-बार बोलने से उस पर यकीन करने लगें?

कुछ अध्ययनों से तो लगता है कि सचमुच ऐसा ही होता है। यू.एस. के एक पत्रकार क्रेग सिल्वरमैन ने कुछ ऑनलाइन झूठी खबरों का विश्लेषण करने पर पाया कि झूठी खबरों को ज्यादा तवज्जो मिलती है बनिस्बत उन आलेखों के जो इन खबरों का पदार्फाश करने की कोशिश करते हैं। शायद आपको लगे कि आप ऐसी झूठी खबरों के जाल में नहीं फंस सकते। मगर 1940 में किए गए एक अध्ययन का निष्कर्ष था कि ह्वकोई अफवाह जितनी ज्यादा बार कही जाए, वह उतनी ही संभव लगने लगती है।ह्व इसका मतलब है कि कोई झूठ सिर्फ प्रसार के दम पर लोगों के विचारों और अभिमतों को प्रभावित कर सकती है।

इसके बाद 1977 में एक और अध्ययन ने इसी बात को थोड़ा अलग ढंग से प्रस्तुत किया था। यूएस के कुछ शोधकताओं ने कॉलेज के विद्यार्थियों से किसी वक्तव्य की प्रामाणिकता को लेकर पूछताछ की। उन्हें बताया गया था कि वह वक्तव्य सही भी हो सकता है और गलत भी। शोधकताओं ने पाया कि यदि उसी वक्तव्य को कुछ दिनों बाद फिर से दोहराया जाए तो इस बात की संभावना बढ़ती है कि विद्यार्थी उस पर यकीन करने लगेंगे।

वर्ष 2015 में वान्डरविल्ट विश्वविद्यालय (टेनेसी) की लिजा फेजियो ने एक अध्ययन में देखा कि चाहे विद्यार्थी जानते हों कि कोई कथन गलत है, मगर यदि उसे दोहराया जाए, तो काफी संभावना बनती है कि वे उस पर विश्वास कर लेंगे। फेजियो का कहना है कि झूठी खबरें लोगों को तब भी प्रभावित कर सकती हैं जब वे जानते हैं कि वह झूठी है। वही खबर या वही सुर्खियां बार-बार पढ़ने पर लगने लगता है कि शायद वह सच है। लोग प्रायः जांच करने की कोशिश भी नहीं करते।

मसलन, हाल में किए गए एक अध्ययन में यूएस के हाई स्कूल छात्रों को एक तस्वीर दिखाई थी। इसमें बताया गया था कि दुर्घटना के बाद फुकुशिमा दाइची परमाणु बिजली घर के आसपास पौधों पर विकृत फूल उग रहे हैं। जब यह पूछा गया कि क्या वह तस्वीर बिजली घर के आसपास की स्थिति का प्रमाण माना जा सकता है, तो मात्र 20 प्रतिशत छात्रों ने ही इस पर शंका जाहिर की जबकि 40 प्रतिशत ने तो माना कि यह स्पष्ट प्रमाण है। तस्वीर के साथ यह नहीं बताया गया था इसे प्रस्तुत किसने किया है।

कुछ अध्ययनों से यह भी पता चला है कि आजकल लोग सर्च इंजिन्स पर काफी भरोसा करते हैं और उसमें भी जो पहली प्रविष्टि होती है उसे ही सच मान लेते हैं।

ऐसी स्थिति में आलोचनात्मक सोच विकसित करने का महत्व बहुत बढ़ जाता है अन्यथा हम झूठ और सच का फैसला किए बगैर अफवाहों के जंगल में हाथ-पांव मारते रहेंगे।

हिटलर के युद्ध विशेषज्ञ गोएबल्स ने भी यही दर्शन इस्तेमाल किया था। इसलिए हिटलर जीत नहीं पाया, लेकिन हिटलर के बयान में सच्चाई लग रही थी। राहुल गांधी के बारे में भी यही बात कही जा सकती है। राहुल गांधी एक ही बात को बार-बार झूठ बोलने के आदी हो गए हैं और वह हर चुनाव हार जाते हैं और अभी भी भाजपा के खिलाफ आरोप लगाते रहते हैं। लेकिन वे किसी काम के नहीं हैं और लोग हंसते हैं। राहुल ने ताजा आरोपों में भाजपा पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि भाजपा ने हाल के चुनावों में एक बड़ा धोखा किया है और उन्होंने इसे उजागर करने का नाटक किया है। लेकिन चुनाव आयोग ने पारस्परिक रूप से उन पर आरोप लगाया है और दिखाया है कि उनके आरोप कितने झूठे और हास्यास्पद हैं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने राहुल को जवाब दिया है और वो भी अपने अंदाज में। उन्होंने कहा कि राहुल द्वारा अपने नवीनतम लेख में लगाए गए आरोप उनके फर्जी नैरेटिव का एक अकाउंट है। यह इस बात का संकेत है कि आगामी बिहार चुनाव में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल किस तरह निराश होंगे। उन्होंने राहुल के हर फर्जी नैरेटिव पर नकेल कसी है और उनके द्वारा उठाए गए हर बिंदु का जवाब दिया है।

कांग्रेस चुनाव दर चुनाव हार रही है और हर बार कांग्रेस पार्टी किसी और को जिम्मेदार ठहराने के बजाय उसे जिम्मेदार ठहरा रही है। भारत की जनता ने इसे कई बार देखा है। लेकिन जेपी नड्डा को जाने दो। वह एक प्रतिद्वंद्वी है, लेकिन चुनाव आयोग ने खुद राहुल के आरोपों को निराधार बताया है और आयोग किसी का गुलाम नहीं है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि क्या राहुल गांधी भाजपा के खिलाफ अपने आरोपों को स्वीकार करेंगे। आयोग ने खुद आरोपों से इनकार किया है। सवाल ये है कि क्या राहुल अपनी बात मानेंगे या फिर वो ये भी कहेंगे कि ये भी विपक्ष का खेल है, यानी कांग्रेस विपक्ष का. राहुल गांधी के पास लोगों को देने के लिए कोई आकर्षक कार्यक्रम और कोई घोषणा नहीं है। उनके पास लोगों को बनाए रखने की कोई योजना नहीं है। कांग्रेस के पास पैसा नहीं है। नेताओं के पास बहुत पैसा है लेकिन पार्टी के पास एक रुपया भी नहीं है। उनके पास पार्टी के कार्यक्रम के बिलों का भुगतान करने के लिए भी पैसे नहीं हैं। ऐसे में राहुल बीजेपी पर आरोप लगाते हैं, जो उनके हौसले की पराकाष्ठा है।

सिर में दर्द माइग्रेन का है तो जरूर दिखते हैं ये लक्षण,

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में सिर दर्द आम समस्या बन गई है, लेकिन अगर ये दर्द बार-बार हो रहा है या एक तरफा हो रहा है तो इसे हल्के में लेना नुकसानदायक हो सकता है. कई बार लोग इसे सामान्य सिर दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि ये माइग्रेन हो सकता है. माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल समस्या है, जो दिमाग में असंतुलन और नसों में सूजन के कारण होती है. डॉक्टरों के मुताबिक माइग्रेन के सिरदर्द में कुछ खास लक्षण नजर आते हैं, जिनकी पहचान करना जरूरी है ताकि सही समय पर इलाज मिल सके.

दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल में न्यूरोसर्जरी विभाग में डॉ. दलजीत सिंह बताते हैं किमाइग्रेन का सिर दर्द सामान्य सिर दर्द से अलग होता है. इसमें दर्द सिर के एक तरफ ज्यादा महसूस होता है. कई बार ये दर्द धीरे-धीरे शुरू होता है और कुछ घंटों या दिनों तक बना रह सकता है. माइग्रेन में सिर में तेज धड़कन जैसा दर्द महसूस होता है, जो काम करने की क्षमता को भी प्रभावित करता है. खास बात ये कि माइग्रेन का दर्द बिना किसी कारण के अचानक भी शुरू हो सकता है.

माइग्रेन के मुख्य लक्षण

माइग्रेन सिर दर्द के साथ कई और लक्षण भी लेकर आता है. डॉक्टरों ने कुछ ऐसे संकेत बताए हैं जिनसे आप समझ सकते हैं कि सिर दर्द सामान्य नहीं बल्कि माइग्रेन का है. अक्सर माइग्रेन में सिर के एक ही तरफ तेज दर्द होता है. कुछ लोगों में ये दर्द बारी-बारी से सिर के दोनों तरफ भी हो सकता है.

„तेज रोशनी और आवाज से परेशानी

„माइग्रेन के दौरान तेज रोशनी या तेज आवाज बर्दाश्त नहीं होती. मरीज को शांत और अंधेरे कमरे में आराम करने की जरूरत महसूस होती है.

„मतली और उल्टी आना

„सिर दर्द के साथ-साथ मितली महसूस होना या उल्टी होना माइग्रेन का आम लक्षण है.

„धुंधला दिखना

जनगणना की मांग करने वाले दलों को अब मिलेगी शांति पर इसका दूसरा पहलू भी गौरतलब है

अशोक भाटिया , मुंबई

जनगणना की मांग करने वाले दलों के लिए अब राहत की खबर है। केंद्र सरकार देश में जाति जनगणना का एलान तो पहले ही कर चुकी है। अब सरकार ने तारीखों का भी एलान कर दिया है। सूत्रों को मुताबिक, भारत में 1 अक्तूबर 2026 से जाति गणना के साथ जनगणना शुरू होगी। यह जनगणना देशभर में दो चरणों में कराई जाएगी। बता दें कि, जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी (2021 में कोरोना महामारी के कारण टली)। जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। वहीं राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है।

सूत्रों के मुताबिक, 16 जून 2025 को जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत अधिसूचना जारी होते ही यह प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी। इसके बाद जनगणना से जुड़ी विभिन्न एजेंसियां सक्रिय हो जाएंगी। पहले चरण में स्टाफ की नियुक्ति, प्रशिक्षण, जनगणना फॉर्मेट तैयार करना और फील्ड वर्क की योजना बनाई जाएगी। खास बात यह है कि इस बार जनगणना और जातिगत जनगणना एक साथ की जाएगी।प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी। पहला चरण 1 फरवरी 2027 तक पूरा किया जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम चरण फरवरी 2027 के अंत तक संपन्न होगा। 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि को संदर्भ तिथि माना जाएगा, यानी उस समय देश की जनसंख्या और सामाजिक स्थिति का जो भी आंकड़ा होगा, वही रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। इस दिन के बाद से आंकड़े सार्वजनिक रूप से सामने आने लगेंगे। यह ऐतिहासिक कदम देश की सामाजिक संरचना को बेहतर ढंग से समझने और नीतिगत फैसलों के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा।

वहीं हिमालयी और विशेष भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में यह जनगणना प्रक्रिया अन्य राज्यों से पहले, अक्टूबर 2026 तक पूरी कर ली जाएगी। वहां मौसम की कठिनाइयों और दुर्गम क्षेत्रों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के तहत, 1 मार्च 2027 को जनगणना की संदर्भ तिथि घोषित की जाएगी और संबंधित अधिसूचना 16 जून 2025 को राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद जनगणना की आधिकारिक तैयारियां प्रारंभ हो जाएंगी।

बता दें कि इस बड़े फैसले की पृष्ठभूमि में अप्रैल में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से की गई घोषणा थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि कैबिनेट की राजनीतिक मामलों की समिति ने आगामी जनगणना में जातिगत आंकड़ों को शामिल करने की स्वीकृति दे दी है।उन्होंने कहा था, ह्वकैबिनेट समिति ने आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का निर्णय लिया है। यह फैसला सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण तथा समग्र राष्ट्रीय प्रगति की दिशा में एक अहम कदम है।ह्व उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जनगणना पारदर्शी तरीके से कराई जाएगी।

देशभर में जातिगत गणना की मांग काफी समय से उठती रही थी । कांग्रेस, कठऊकअ गठबंधन और विभिन्न क्षेत्रीय दलों ने बार-बार इसकी आवश्यकता को रेखांकित करती रही है। हाल ही में कांग्रेस शासित कर्नाटक सरकार ने राज्य स्तरीय जातिगत सर्वे कराया था, जिसे लेकर कुछ प्रमुख समुदायों वोक्कालिगा और लिंगायत ने यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि इस सर्वे में उनके साथ न्याय नहीं हुआ। गौरतलब है कि भारत में यह जनगणना मूल रूप से अप्रैल 2020 में आयोजित की जानी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। अगर इसे तय समय पर किया गया होता, तो अंतिम रिपोर्ट 2021 तक सामने आ जाती।जनगणना 2027 सिर्फ जनसंख्या की गणना भर नहीं होगी, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। वंचित वर्गों की सही पहचान और उनके लिए योजनाओं की बेहतर दिशा तय हो सकेगी। आरक्षण व्यवस्था और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर तथ्यात्मक और अद्यतन आंकड़े उपलब्ध होंगे। नीतियों और योजनाओं का पुनर्गठन संभव होगा जो समावेशी विकास की दिशा में उपयोगी हो सकता है। भारत में पिछली जनगणना वर्ष 2011 में की गई थी, जो दो चरणों में पूरी हुई थी। पहला चरण मकान सूचीकरण (ऌछड) और दूसरा चरण जनगणना (ढए)। 2021 में अगली जनगणना प्रस्तावित थी, जिसकी सभी तैयारियां भी पूरी हो गई थीं, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। यदि यह जनगणना समय पर होती, तो 2021 तक इसकी अंतिम रिपोर्ट सामने आ चुकी होती। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट किया, ह्लजनगणना 2021 के लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। हालाँकि, पूरे देश में कोविड के प्रकोप के कारण जनगणना का काम स्थगित कर दिया गया था। कोविड ने शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों को बाधित किया। जनगणना के लिए लगभग 30 लाख गणनाकताओं की आवश्यकता है और उनमें से अधिकांश प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक हैं। कोविड के बाद जनगणना प्राथमिक शिक्षा को बाधित कर सकता था।ह्व प्रवक्ता ने कहा कि जिन देशों ने महामारी के तुरंत बाद जनगणना की उन्हें जनगणना के आंकड़ों की कवरेज पर समस्याओं का सामना करना पड़ा।

केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रवक्ता ने कहा कि जनगणना प्रक्रिया अब तुरंत शुरू होगी और 1 मार्च, 2027 को संदर्भ तिथि के रूप में समाप्त होगी। पोस्ट में कहा गया है, ह्व जनगणना के संचालन के लिए बजट कभी भी बाधा नहीं रहा है क्योंकि सरकार द्वारा हमेशा धन का आवंटन सुनिश्चित किया जाता है।

गृह मंत्रालय बताया कि, 'जातियों की गणना के साथ-साथ दो चरणों में जनसंख्या जनगणना-2027 आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जनसंख्या जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के पहले दिन 00:00 बजे होगी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के गैर-समकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए, संदर्भ तिथि अक्टूबर, 2026 के पहले दिन 00।00 बजे होगी। उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनसंख्या जनगणना आयोजित करने के इरादे की अधिसूचना जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार 16।06।2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।'

भारत में हर दस साल में जनगणना होती है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी। 1947 में आजादी मिलने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जबकि लिंगानुपात 940 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष और साक्षरता दर 74।04 फीसदी था।

ज्ञात हो कि देश में जनगणना की शुरूआत 1881 में हुई थी। पहली बार हुई जनगणना में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी हुए थे। इसके बाद हर दस साल पर जनगणना होती रही। 1931 तक की जनगणना में हर बार जातिवार आंकड़े भी जारी किए गए। 1941 की जनगणना में जातिवार आंकड़े जुटाए गए थे, लेकिन इन्हें जारी नहीं किया गया। आजादी के बाद से हर बार की जनगणना में सरकार ने सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के ही जाति आधारित आंकड़े जारी किए। अन्य जातियों के जातिवार आंकड़े 1931 के बाद कभी प्रकाशित नहीं किए गए।

जातीय जनगणना का एक दूसरा पहलू भी है जिसे नजर अंदाज नहीं किया जा सकता । जाति जनगणना का मतलब ही है कि भविष्य में आरक्षण का दायरा बढ़ाया जाएगा। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना कराने की घोषणा होने के बाद ही डिमांड रख दी है कि जाति जनगणना का मतलब तभी पूरा होगा जब आरक्षण के 50 प्रतिशत वाले कैप को भी सरकार खत्म करे। ताकि पिछड़ों को आरक्षण 60, 70, 80 से 90 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सके। मंडलवादी पार्टियों की इन्हीं नीतियों के चलते ही देश 1990 से 2000 तक ऐसा अस्थिर हुआ कि एक मजबूत सरकार देश को नसीब नहीं हुई। उस एक दशक में भारत अपने बराबर के देशों जैसे चीन आदि से दशकों पीछे हो गया था। राजनीतिक अस्थिरता ऐसी रही कि देश भ्रष?टाचार और आतंकवाद के काले साए में समाया रहा। जाहिर है कि एक बार फिर वही कहानी दुहराए जाने का अंदेशा जताया जा रहा है। क्योंकि अब तो मंडलवादी पार्टियां और कांग्रेस दोनों ही इस मुद्दे पर एक हो गईं हैं। जाहिर है कि समस्या और गंभीर होने वाली है।

भारत में जाति एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। जनगणना में शामिल करने से जातिगत पहचान को और मजबूती मिलने की आशंका है। जाति जनगणना के बाद डइउ, रउ, और रळ की सटीक आबादी और उनकी स्थिति का पता चलेगा। 1990 में केवल अगड़ों ने संघर्ष किया था। पर अब दलित-आदिवासी और ईबीसी जातियां भी आंदोलनकारी होंगी। बहुत सी ऐसी जातियां हैं जो बहुत पिछड़ी हैं पर वो संख्या बल में कमजोर हैं। उनके साथ कैसे न्याय होगा, यह विचारणीय है। जाहिर है कि पिछड़ी जातियों में ही खींचतान बढ़ेगी। लोग मरने मारने पर उतारू होंगे। उच्च जातियों में भी यह डर पैदा हो सकता है कि उनकी हिस्सेदारी कम होगी। जाहिर इसके चलते एक बार फिर अगड़ा बनाम पिछड़ा वर्ग का तनाव बढ़ेगा। जैसा कि 1990 में देखा गया था। 1990 में तनाव जल्दी ही शांत हो गया था। इसका कारण था कि लोगों को अपना संख्या बल नहीं पता था। इस बार संघर्ष होगा तो रुकने का नाम नहीं लेगा। पर फिल्मकार विवेक अग्निहोत्री लिखते हैं कि जाति जनगणना जातिवाद को संस्थागत करेगा और सामाजिक एकता को कमजोर करेगा। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों और सामाजिक तनाव इसका उदाहरण हैं।

अशोक भाटिया,

धरती पर हर छठा इंसान भारतीय, 77 साल बाद 300 करोड़ हो जाएगी देश की आबादी

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत जनसंख्या के मामले में सभी देशों से आगे निकल गया है और अगले 40 वर्षों में जनसंख्या 170 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। यूएनएफपीए की 2025 स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन (एसओडब्लूपी) रिपोर्ट में जनसंख्या और प्रजनन क्षमता को लेकर रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट का शीर्षक "द रियल फर्टिलिटी क्राइसिस" है। इसमें भारत की घटती प्रजनन दर पर चिंता व्यक्त की गई है। इस तरह से ये आंकड़े इस बात पर जोर देते हैं कि लाखों व्यक्ति अपनी वास्तविक प्रजनन आकांक्षाओं को हासिल करने में असमर्थ हैं।मंगलवार को जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की 2025 विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट में कहा गया है कि अब से 40 साल बाद जनसंख्या में गिरावट शुरू होने से पहले लगभग 1.7 बिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है। वहीं इस साल चीन की आबादी 1.41 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।बीते वर्ष जुलाई में जारी संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य रिपोर्ट विश्व जनसंख्या संभावना-2024 के मुताबिक, पिछले वर्ष भारत की जनसंख्या 1.44 अरब थी।रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि प्रति महिला 2।1 जन्मों की प्रतिस्थापन स्तर प्रजनन क्षमता से भी कम है। इसका मतलब ये है कि महिलाएं एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जनसंख्या को बनाए रखने के लिए आवश्यक से कम बच्चे पैदा कर रही हैं।

गौर करें तो जन्म दर में गिरावट के बावजूद, भारत की युवा आबादी काफी बड़ी है। इसमें 24% 0-14 वर्ष की आयु के हैं। 17% 10-19 वर्ष की आयु के हैं। और 26% 10-24 वर्ष की आयु वर्ग के हैं। इसके अतिरिक्त, 68% आबादी कामकाजी आयु (15-64) की है। ये संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश प्रस्तुत करती है। बशर्ते पर्याप्त रोजगार और इसको सपोर्ट करती हुई नीतियां बनें।मौजूदा समय में बुजुर्ग आबादी (65 वर्ष और उससे ज्यादा) 7% है। आने वाले दशकों में जीवन प्रत्याशा में सुधार के साथ इस आंकड़ों में वृद्धि होने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि 2025 तक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पुरुषों के लिए 71 वर्ष और महिलाओं के लिए 74 वर्ष होने का अनुमान है।इन आंकड़ों के पीछे उन लाखों दम्पतियों की कहानियां हैं, जिन्होंने अपना परिवार शुरू करने या बढ़ाने का निर्णय लिया है। साथ ही उन महिलाओं के अनुभव भी हैं जिनके पास गर्भधारण करने के संबंध में सीमित विकल्प थे, चाहे वे कब, कितनी बार या गर्भवती हों।

यह भी बताया जाता है कि अगले 40 वर्षों में 240 मिलियन और जुड़ जाएगी और फिर भारत की जनसंख्या पहले बस जाएगी और फिर कुछ हद तक घट जाएगी। यह सिर्फ आशावाद नहीं है, बल्कि आंकड़ों का आधार देश की औसत प्रजनन दर में गिरावट है। किसी ने कितने बच्चों को जन्म दिया है, इसकी कुल प्रजनन दर (ळऋफ) 'कुल प्रजनन दर' के कारक से निर्धारित की जा सकती है। अर्थात, प्रति महिला बच्चों की संख्या प्रति व्यक्ति जन्म देती है। इतने लंबे समय तक यह 2।1 थी। अब यह घटकर 1।9 प्रतिशत हो गई है। स्थानांतरण दर 'से कम है। जनसंख्या के स्थिर रहने के लिए 'प्रतिस्थापन दर' एक आवश्यक कारक है। यह स्थानांतरण दर दशार्ती है कि जितने अधिक लोग मरते हैं, उतने ही नए जीव पैदा होते हैं। 'जितने गए, उतने ही आए' के अनुपात को बनाए रखने के लिए। हमारी प्रजनन दर को पहली बार 1।9 प्रतिशत तक नीचे आना होगा। तो यह 'जो चला गया है उससे कम' होगा और अगर यह जारी रहा, तो कुछ समय बाद जनसंख्या कम हो जाएगी।

मुंबई में लोकल ट्रेन से गिरकर यात्रियों की मौत को रोकना जरूरी

अभी हाल ही में मुंबई के उपनगर दिवा और मुंब्रा के बीच भीड़ भरी लोकल ट्रेन के दरवाजे पर खड़े कुछ यात्री नीचे गिर गए और कुछ की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। सोमवार को सप्ताह का पहला दिन था जिस दिन मुंबई में उपनगरीय ट्रेनें भीड़ के साथ चलती हैं। मध्य रेलवे के मुंब्रा स्टेशन के पास दो लोकल ट्रेनों के दरवाजे पर खड़े यात्रियों को एक-दूसरे के खिलाफ रगड़ दिया गया। शुरूआत में बताया गया था कि कुछ लोग नीचे गिर गए और हादसा हो गया। इस बात की भी कोई जानकारी नहीं है कि कितने लोग मारे गए या कितने घायल हुए। दुनिया में कहीं भी इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों को ले जाने की क्षमता नहीं होनी चाहिए। रात में चार घंटे को छोड़कर, सीएसटी-चर्चगेट से कर्जत, कसारा, खोपोली, पनवेल और विरार , पालघर, दहानू तक लोकल ट्रेनें चलती हैं।मोनो मुंबईकरों के लिए एक आवश्यक सेवा बन गई है। लोकल ट्रेनें और मेट्रो मुंबईकरों की सांस हैं। फिर, जिस प्रकार इस सेवा को तैयार रखना और चौबीसों घंटे कार्य करना रेलवे के लिए एक चुनौती है, उसी प्रकार यह रेलवे का भी कर्तव्य है। इसी महामुंबई से देश के खजाने में सबसे ज्यादा राजस्व मिलता है। इसी महानगर से देश को सबसे ज्यादा जीएसटी मिल रहा है। बदले में, रेल मंत्रालय भारी राजस्व चुकाने के बाद भी मुंबईकरों की दैनिक स्थानीय यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए नगण्य सेवाएं प्रदान करता है?

गौरतलब है कि दादर, कुर्ला, घाटकोपर, ठाणे, कलवा, डोंबिवली, कल्याण और अंधेरी, मध्य और पश्चिम रेलवे के वसई-विरार स्टेशनों पर हमेशा भीड़ रहती है। सीएसटी से कर्जत, कसारा, खोपोली, पनवेल आने और जाने वाली लोकल ट्रेनों में हमेशा भीड़ रहती है। इससे भी बदतर, लोकल ट्रेन में यात्रियों की हालत बदतर है। जब कासरा से सीएसटी और सीएसटी से कसारा जाने वाली ट्रेन गुजर रही थी, तो जो लोग दरवाजे पर खड़े थे और एक-दूसरे से चिपके हुए थे, उन्हें रगड़ा गया और उनमें से दर्जनों नीचे गिर गए।दौड़ते हुए लोकल में यात्री अपना संतुलन भी नहीं बना पाए, अन्य लोग नीचे गिरे लोगों को पकड़ या खींच कर वापस कोच में नहीं ला सके। कितने लोग घायल हुए, जिनके हाथ-पैर टूटे, किसने अपनी जान गंवाई, इसका विवरण बाद में आएगा, लेकिन भीड़ भरे लोकल के यात्री एक-दूसरे से रगड़कर नीचे गिर गए। यह समय उन पर क्यों आया? कौन जिम्मेदार है? इसका जवाब कोई नहीं देगा। देश में हर जगह वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू की जा रही है। वंदे भारत ट्रेन का क्रेज बढ़ रहा है, लेकिन मुंबई के इलाकों में रोजाना यात्रा करने वाले लाखों यात्री हवा में उड़ गए हैं। हर दिन, लाखों मुंबईकर काम तक पहुंचने के लिए भीड़-भाड़ वाले इलाकों में ढाई घंटे की यात्रा कर रहे हैं और आजीविका और रोजगार के लिए एक ही भीड़ से शाम और रात घर लौट रहे होते हैं।

बताया जाता है कि मुंबई में लोकल ट्रेन में रोजाना करीब 75 लाख लोग सफर करते है. सेंट्रल रेलवे मुंबई उपनगरीय में 1810 ट्रेनों का संचालन करता है, जिसमें प्रतिदिन 70 लाख पैसेंजर सफर करते है. वहीं वेस्टर्न उपनगरीय 1394 ट्रेनों का संचालन करता है, जिसमें 35 लाख पैसेंजर सफर करते हैं. एक तरफ जहां लाखों की संख्या में यात्री ट्रेनों में सफर करते हैं, उसी तरह हजारों लोगों की मौत भी ट्रेन की घटनाओं में हुई है. मुंबई हाईकोर्ट में दाखिल जवाब के मुताबिक, पिछले 20 सालों में मुंबई में रेल हादसों में 51,802 लोगों की मौत हो चुकी है। मुंबई में ट्रेन हादसों में हर दिन सात से आठ लोगों की मौत हो जाती है, लेकिन उनकी कोई खबर नहीं आती। मुंबई की उपनगरीय रेलवे 'हर दिन कौन रोता है' की स्थिति में है। नए साल 2025 के जनवरी से मार्च के तीन महीनों में मुंबई में ट्रेन हादसों में 663 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 272 की मौत लोकल ट्रेन से गिरने से हुई, जबकि 391 की मौत रेलवे ट्रैक पार करते समय हुई। यह शायद पहली बार हो जब दो लोकल ट्रेनों के यात्री एक-दूसरे पर गिरकर मर गए हों या घायल हुए हों। क्या मुंबई में स्थानीय यात्रा पर किसी का नियंत्रण है? हर ट्रेन में हर लोकल के डिब्बे में बिना टिकट के कई यात्री होते हैं।

सवाल यह है कि भीड़ का दुष्चक्र कब खत्म होगा? स्थानीय यात्रियों के लिए कब है राहत? मुंबईकरों को लोकल ट्रेनों में आराम से यात्रा करने का मौका कब मिलेगा? आम लोग शौक के रूप में स्थानीय यात्रा नहीं करते हैं। लाखों लोग स्थानीय यात्रा की ओर आकर्षित होते हैं क्योंकि वे सस्ते और तेज यात्रा कर सकते हैं। पिछले दो वर्षों में वातानुकूलित स्थानों ने चलना शुरू कर दिया है। जैसे-जैसे उनकी संख्या बढ़ रही है, गैर-एसी स्थान कम हो रहे हैं। मुंबई में, एसी स्थानों की बहुत मांग है। रेल प्रशासन को इस बात का ध्यान रखना चाहिए।फर्स्ट क्लास कोच में भी बिना टिकट के लोगों की भारी भीड़ होती है, यहां तक कि महिलाओं की भी। उन्हें यकीन है कि उनसे टिकट मांगने कोई नहीं आएगा। बिना टिकट वाले यात्री पास धारकों के लिए रोज की परेशानी बने हुए हैं, लेकिन रनिंग लोकल में कोच में आकर टिकट चेकिंग लगभग बंद हो गई है। गंदे पोखर लगाकर बॉक्स को साफ करने का नाटक करने वाले लोगों की भारी भीड़ है।

हाथों में बच्चा लेकर भीख मांगने वाले भी बड़ी संख्या में लोग हैं। ये सभी लोग स्टेशन कैसे पहुंच सकते हैं, लोकल में कैसे चढ़ सकते हैं? वह सिस्टम कहां है जो उन्हें रोकता है, हटाता है और कार्रवाई करता है। पर्स बीनने वालों और मोबाइल चोरों के गिरोह भी भीड़ में सुराग तलाश रहे हैं। लेकिन जहां उन्हें रेलवे पुलिस का डर नहीं दिखता। दर्जनों यात्री इसलिए गिर गए क्योंकि वे मुंब्रा में भीड़ को संतुलित नहीं कर पाए, अगर इस भीड़ को नियंत्रित नहीं किया गया तो ऐसे हादसे होते रहेंगे। मुंबई की लाइफलाइन सुरक्षित है।

वैसे बताया जाता है कि मुंबई लोकल में सोमवार को हुए हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (कउऋ) टीम के साथ इमरजेंसी मीटिंग की। इसमें मुंबई के लिए अब जो भी नॉन एसी लोकल ट्रेन आएंगी। उन सभी में दिल्ली मेट्रो की तरह ऑटोमेटिक गेट लगाए जाएंगे। साथ ही मौजूदा समय में चल रही लोकल के गेटों को स्वचालित गेटों से बदला जाएगा। लेकिन मीटिंग में एक बात यह भी सामने आई कि अगर मुंबई लोकल की नॉन एसी ट्रेनों में ऑटोमेटिक गेट लगा दिए गए तो अंदर डिब्बों में घुटन अधिक हो जाएगी।

म्यूनिख आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2025: भारत ने दो स्वर्ण, दो कांस्य के साथ पदक तालिका में हासिल किया तीसरा स्थान

एजेंसी

म्यूनिख। जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित तीसरे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2025 में भारत की 36 सदस्यीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार पदक अपने नाम किए। इनमें दो स्वर्ण और दो कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया, जिससे आगे केवल चीन और नॉर्वे ही रहे। दो बार की ओलंपियन और 'गन फॉर ग्लोरी' अकादमी में प्रशिक्षण ले रहीं एलेवनिल वलारिवन ने भारत का पदक खाता खोला। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जिसमें उन्होंने 231.2 का स्कोर किया। इसके अलावा उन्होंने क्वालिफिकेशन राउंड में 635.9 अंक हासिल कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। वहीं, 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन इवेंट में भारत की सिफ्ट कौर समरा ने 453.1 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने म्यूनिख में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में 241.9 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीतकर वर्ल्ड कप 2025 में अपना तीसरा गोल्ड हासिल किया। इससे पहले वह ब्यूनस आयर्स और लीमा में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी थीं। पुरुष और महिला मिश्रित टीम 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में अर्जुन बबूता और आर्या बोर्से की जोड़ी ने चीन की टीम को 17-7 से हराकर भारत को एक और स्वर्ण पदक दिलाया।

डीडीसीए ने राजधानी में शुरू की मेगा टी20 क्रिकेट लीग, 104 क्लबों की होगी टक्कर

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने राजधानी की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित टी20 क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ कर दिया है। इस इंटर-क्लब टूर्नामेंट की शुरुआत आज सेंट स्टीफंस कॉलेज ग्राउंड में हुई, जहां क्रिकेट प्रेमियों, खिलाड़ियों और अधिकारियों की उत्साही मौजूदगी देखने को मिली। यह टूर्नामेंट न केवल स्थानीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के लिए एक सुनहरा मंच भी साबित होगा। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला मद्रास क्रिकेट क्लब और यॉर्क्स क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया, जिससे टूर्नामेंट की रोमांचक शुरुआत हुई। कुल 104 क्लब इस मेगा इवेंट में हिस्सा ले रहे हैं, जिन्हें ग्रुप चरण के लिए 9 पूलों में विभाजित किया गया है। उद्घाटन समारोह में डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा, निदेशक श्याम शर्मा, लीग समिति के सह-अध्यक्ष डॉ. अहमद तारीम, सह-संयोजक हर्ष गुप्ता और वरिष्ठ सचिव प्रमोद जैन व सर्वन कुमार मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए टूर्नामेंट की सफलता की कामना की। डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने इस पहल पर खुशी जताते हुए कहा, यह टूर्नामेंट दिल्ली क्रिकेट की जड़ों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अर्जुन बाबूटा ने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया के लॉन्च पर कहा, अब इस खेल को मिलेगा उसका हकदार सम्मान

नई दिल्ली। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की पहली सीज़न की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और देश के निशानेबाज इस अनोखे कॉन्सेप्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा शुरू की जा रही इस लीग का उद्देश्य शूटिंग स्पोर्ट की बढ़ती लोकप्रियता और अंतरराष्ट्रीय मंच पर हालिया सफलताओं को और मजबूती देना है। 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत ने शूटिंग में तीन पदक जीतकर इतिहास रचा था और हाल ही में अर्जुन बाबूटा और आर्या बोर्से की जोड़ी ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल) में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर भारत की निरंतर श्रेष्ठता को दोहराया। ओलंपियन अर्जुन बाबूटा का मानना है कि यह लीग इस खेल की दिशा और दशा दोनों को बदलने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा, हर कोई इस लीग को लेकर बहुत उम्मीदें रखता है। हमारे मन में जितनी कल्पनाएं चल रही हैं, उतनी शायद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट को लेकर नहीं हुई।

आर्मंड डुप्लांटिस ने 12वीं बार पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, स्टॉकहोम में रचा इतिहास

स्टॉकहोम। स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। रविवार को डायमंड लीग प्रतियोगिता के दौरान डुप्लांटिस ने 6.28 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए 12वीं बार नया वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। अमेरिका में जन्मे इस दो बार के ओलंपिक चैंपियन ने फरवरी में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को एक सेंटीमीटर से बेहतर किया। स्टॉकहोम के ऐतिहासिक ओलंपिक स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने पहले ही प्रयास में यह कारनामा कर दिखाया। शानदार मौसम और घरेलू दर्शकों का उत्साह उनके प्रदर्शन को और ऊंचाई देने वाला साबित हुआ। डुप्लांटिस ने प्रतियोगिता से पहले ही वादा किया था कि वे रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करेंगे। उनके नाम की उद्घोषणा होते ही पूरा स्टेडियम तालियों और जोश से गूंज उठा।

महिला मैराथन की अग्रदूत नीना कुशसिक का निधन, 86 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

एजेंसी

बोस्टन। महिला धावकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाली बोस्टन मैराथन की पहली आधिकारिक महिला विजेता नीना कुशसिक का निधन हो गया है। वह 86 वर्ष की थीं। न्यूयॉर्क के हंटिंगटन स्टेशन स्थित ए.एल. जैकबसेन अंतिम संस्कार गृह के अनुसार नीना कुशसिक का निधन रविवार को अल्जाइमर रोग से लंबे संघर्ष के बाद श्वसन विफलता के कारण हुआ। बोस्टन एथलेटिक एसोसिएशन (बीएए) ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, नीना सिर्फ एक अग्रदूत या महिला धावकों की पैरोकार नहीं थीं, बल्कि खेल जगत की एक प्रतिष्ठित हस्ती थीं। उनके चेहरे की मुस्कान, हंसी और स्नेह को हम हमेशा याद रखेंगे। बोस्टन मैराथन में 1972 में पहली बार महिलाओं को आधिकारिक रूप से भाग लेने की अनुमति दी गई, तब नीना कुशसिक ने वह दौड़ जीतकर इतिहास रच दिया। इसके बाद उन्होंने

हजारों महिलाओं को प्रेरित किया कि वे भी अपने लक्ष्यों और फिनिश लाइन तक पहुंच सकती हैं। नीना ने 16 साल की उम्र में हाई स्कूल पास किया था, और न्यूयॉर्क के एक नियम को बदलवाकर 18 वर्ष की उम्र में नर्स की लाइसेंस प्राप्त की थी, जबकि उस समय न्यूनतम उम्र 21 वर्ष थी। उन्होंने स्केटिंग, रोलर स्केटिंग और साइक्लिंग जैसे खेलों में राज्य स्तर की चैंपियनशिप जीतीं और फिर साइकिल टूट जाने के कारण दौड़ की दुनिया में कदम रखा। 1968 से 1971 के बीच उन्होंने चार बार बोस्टन मैराथन में भाग लिया, जब महिलाओं को औपचारिक अनुमति नहीं थी। इन्हें अब 'पायनियर एरा' के रूप में जाना जाता है। फिर 1972 में उन्होंने पहली आधिकारिक महिला दौड़ जीती। 1970 में वे न्यूयॉर्क मैराथन में भाग लेने वाली पहली महिला बनीं। 1972 में 'सिक्स हू सैट' आंदोलन में वे शामिल थीं, जिसमें छह महिलाओं ने 10 मिनट तक दौड़ शुरू नहीं की थी, जिससे एमेच्योर एथलेटिक यूनियन के उस नियम का विरोध किया गया था जिसमें महिलाओं की दौड़ को पुरुषों से अलग करने की बात थी। उसी वर्ष उन्होंने यह दौड़ भी जीती और अगले साल फिर से खिताब अपने नाम किया। नीना बाद में AAU और USA ट्रैक एंड फील्ड की समितियों में शामिल हुईं और महिला दौड़ के लिए नियम बनाने में अहम भूमिका निभाई। प्रसिद्ध धाविका कैथरीन स्विट्ज़र ने उन्हें 'हमारी सबसे महान नेताओं में से एक' बताया। स्विट्ज़र ने कहा, 'नीना न केवल एक शानदार धाविका थीं बल्कि उन्होंने वर्षों तक नियम बदलने, शोध प्रस्तुत करने और यह साबित करने में योगदान दिया कि महिलाएं लंबी दूरी की दौड़ में पूरी तरह सक्षम हैं।' अपने जीवन में नीना कुशसिक ने 80 से अधिक मैराथन में भाग लिया। उन्होंने 1977 में 50-मील दौड़ का अमेरिकी रिकॉर्ड बनाया और 1979 से 1981 तक लगातार तीन वर्षों तक एम्पायर स्टेट बिल्डिंग रन-अप जीता।

साओ पाउलो ने मैनेजर जुबेलदिया को पद से हटाया

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। ब्राजीलियन फुटबॉल क्लब साओ पाउलो ने अर्जेंटीनी मैनेजर लुइस जुबेलदिया को खराब प्रदर्शन के चलते पद से हटा दिया है। क्लब ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। ब्राज़ीलियन सीरी-ए लीग में साओ पाउलो का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम 12 मैचों में केवल दो जीत के साथ 20 टीमों की तालिका में 14वें स्थान पर है। हालांकि, कोपा लिबरटाडोरेस में क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपने ग्रुप में टॉप किया है और अब अगस्त में कोलंबिया की एटलेटिको नैसिओनल से प्री-क्वार्टर फाइनल खेलेगा। क्लब द्वारा जारी बयान में कहा गया, आपसी सहमति और सौहार्द्रपूर्ण तरीके से यह निर्णय लिया गया कि लुइस जुबेलदिया अब टीम की कमान नहीं संभालेंगे। जुबेलदिया ने अप्रैल 2024 में टीम की जिम्मेदारी संभाली थी और उनके कार्यकाल में साओ पाउलो ने 38 मुकाबले जीते, 27 ड्रॉ खेले और 20 में हार का सामना किया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अर्जेंटीना के पूर्व

स्ट्राइकर हर्नान क्रेस्पो को साओ पाउलो के नए कोच के रूप में सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। क्रेस्पो पहले भी 2021 में आठ महीने तक साओ पाउलो के कोच रह चुके हैं। वे नवंबर 2024 में यूएई के क्लब अल ऐन से अलग हुए थे और तब से कोचिंग से बाहर हैं।

एशियन कैनो स्प्रींट एवं पैरा कैनो चैम्पियनशिप में मप्र ने जीते 3 स्वर्ण समेत आठ पदक

एजेंसी

भोपाल। थाईलैण्ड के रेयान्ग (पट्टाया) शहर में 12 से 15 जून तक आयोजित एशियन कैनो स्प्रींट एवं पैरा कैनो चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पर्धाओं में तीन स्वर्ण समेत कुल 8 पदक अर्जित किए। इनमें दो रजत और तीन कांस्य पदक भी शामिल हैं। प्रतियोगिता में ओलम्पियन प्राची यादव ने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया। जनसम्पर्क अधिकारी विकास खराड़कर ने बताया कि एशियन कैनो स्प्रींट स्पर्धा में मप्र अकादमी के खिलाड़ी प्रिंस गोस्वामी और सुधीर कुमार की जोड़ी ने सी-2-1000 मीटर की जूनियर स्पर्धा में कांस्य पदक अर्जित किया, जबकि बालिका वर्ग की सी-2-500 मीटर स्पर्धा में दीपिका ढ़ीमर ने कांस्य पदक जीता। वहीं, एशियन पैरा कैनो चैम्पियनशिप में प्राची यादव ने महिला वर्ग की केएल-2-200 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक, वीएल-2-200 मीटर में स्वर्ण पदक, केएल-2-500 मीटर में स्वर्ण पदक एवं वीएल-2-500 मीटर स्पर्धा में रजत पदक हासिल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

किया। इसी तरह पैरा कैनो पुरुष वर्ग में मनीष कौरव ने केएल-3- 200 मीटर स्पर्धा में रजत पदक एवं केएल-3-500 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। प्रदेश के खेल प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा तीन स्वर्ण और एक रजत पदक अर्जित करने वाली प्राची यादव की मंत्री सारंग ने सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप में मप्र अकादमी ने जीते तीन स्वर्ण पदक

एजेंसी

भोपाल। उत्तराखंड के देहरादून शहर में 11 से 15 जून तक आयोजित के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य कराते अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक अर्जित किए। चैम्पियनशिप के जूनियर एवं सब-जूनियर वर्ग में मप्र अकादमी के 7 खिलाड़ियों ने भागीदारी की। इनमें धारकन शाह, कल्याणी कोडोपे और रूषा तांबत ने स्वर्ण पदक अर्जित कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। राज्य के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनकी सराहना की है। जनसम्पर्क अधिकारी विकास खराड़कर ने बताया कि देहरादून में आयोजित के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप में 53 किलोग्राम भारवर्ग की जूनियर स्पर्धा में मप्र अकादमी की खिलाड़ी धारकन शाह ने स्वर्ण पदक हासिल किया। धारकन ने पहले राउंड में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी को 8-0 शिकस्त दी। दूसरे राउंड में राजस्थान के खिलाड़ी से 7-3 के अंतर से मुकाबला जीता और तीसरे एवं चौथे राउंड में क्रमशः हरियाणा एवं अरूणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को 8-0 के अंतर से परास्त कर फाइनल

में जगह बनाई। फाइनल राउंड में धारकन शाह ने बिहार के खिलाड़ी को एकतरफा 8-0 से हराकर स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा जमाया। वहीं, 66 किलोग्राम भारवर्ग की जूनियर स्पर्धा में कल्याणी कोडोपे ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। कल्याणी ने पहले राउंड में महाराष्ट्र को 9-0 से परास्त किया, जबकि दूसरे व तीसरे राउंड में क्रमश- राजस्थान व दिल्ली को 8-0 से हराया। चौथे राउंड में कल्याणी ने छत्तीसगढ़ को 8-2 से परास्त कर स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसी तरह 59 किलोग्राम भारवर्ग की जूनियर स्पर्धा में रूषा तांबत ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। रूषा ने पहले राउंड में राजस्थान को 8-0 तथा दूसरे राउंड में नागालैण्ड को 5-0 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में रूषा ने कर्नाटक को 8-2 से एवं सेमी फाइनल में हरियाणा को 6-1 से परास्त कर फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल में रूषा ने उत्तराखण्ड को 9-0 से एकतरफा मुकाबले में हराकर स्वर्ण पदक जीता।

तीन सुपर ओवर के रोमांच के बाद नीदरलैंड्स ने नेपाल को हराया, टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास

एजेंसी

ग्लासगो। नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच खेले गए टी20 मुकाबले में दर्शकों को रोमांच की पराकाष्ठा देखने को मिली, जब मैच लगातार तीन सुपर ओवर तक चला। यह किसी भी पुरुष पेशेवर टी20 या लिस्ट ए मुकाबले में पहली बार हुआ है। अंततः नीदरलैंड्स ने यह रोमांचक मुकाबला जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया।

अंतिम ओवर से तीसरे सुपर ओवर तक का सफर

152 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही नेपाल को अंतिम ओवर में 16 रनों की जरूरत थी। नंदन यादव ने काइल क्लेन की गेंदों पर 4, 2, 2, और फिर एक और चौका लगाकर मुकाबला पहले सुपर ओवर तक खींच दिया। पहले सुपर ओवर में नीदरलैंड्स की ओर से डेनियल डोरम ने गेंदबाजी की। कुशल भुर्तेल ने दो छक्के और एक चौका लगाकर

19 रन बना डाले। जवाब में माइकल लेविट ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा, इसके बाद मैक्स ओ'डाउड ने अंतिम दो गेंदों पर 6 और 4 जड़कर मुकाबले को दूसरे सुपर ओवर तक पहुंचा दिया। दूसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स ने 17 रन बनाए। नेपाल की ओर से रोहित पौडेल ने पहली गेंद पर छक्का लगाया, और फिर दीपेन्द्र सिंह ऐरी ने चौका जड़कर समीकरण आखिरी गेंद पर 7 रन का बना दिया। ऐरी ने काइल क्लेन की गेंद को काउ कॉर्नर पर छक्के के लिए भेजकर तीसरा सुपर ओवर तय कर दिया। तीसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स के ऑफस्पिनर जैक लायन-कैशे ने कमाल कर दिखाया। उन्होंने पौडेल और रूपेश सिंह को आउट कर नेपाल को खाता भी नहीं खोलने दिया। इसके बाद लेविट ने संदीप लामिछाने की गेंद पर लंबा छक्का जड़कर नीदरलैंड्स को ऐतिहासिक जीत दिलाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड्स ने 152/7 रन बनाए। टीजी निडामानुरु ने 35 और विक्रमजीत सिंह ने 30 रन बनाए। नेपाल की ओर से संदीप लामिछाने ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट मात्र 18 रन देकर झटके, जबकि नंदन यादव ने 2 विकेट लिए। नेपाल की पारी की शुरुआत खराब रही। बेन फ्लेचर ने डेब्यू मैच में ही लोकेश बम को आउट किया और क्लेन ने अनिल साह को चलता किया। हालांकि कुशल भुर्तेल (34) और रोहित पौडेल (48) ने पारी को संभाला। लेकिन डेनियल डोरम ने 3 विकेट लेकर नेपाल की पारी पर लगाम लगा दी। आखिरी ओवरों में रूपेश, पौडेल और करण केसी ने मुकाबले को बराबरी तक पहुंचाया।

आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में चार मैचों की मेजबानी करेगा गुवाहाटी

एजेंसी

गुवाहाटी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप-2025 के लिए ड्राफ्ट शेड्यूल का अनावरण किया, जिसमें गुवाहाटी की एक प्रमुख मेजबान शहर के रूप में भूमिका की पुष्टि की गई। गुवाहाटी के बरसापारा के असम क्रिकेट एसोसिशन (एसीए)

स्टेडियम में चार लीग मैच आयोजित किए जाएंगे, जिसकी शुरुआत 7 अक्टूबर (दोपहर 3 बजे से) को इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश के मैच से होगी। इंग्लैंड 11 अक्टूबर को श्रीलंका का सामना करने के लिए वापस आएगा, जबकि स्थानीय प्रशंसकों के लिए मुख्य आकर्षण 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के साथ भारत का आमना-सामना होगा।गुवाहाटी का अंतिम लीग मैच 26 अक्टूबर (सुबह 11 बजे से) को इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड होगा। गौरतलब है कि गुवाहाटी 29 अक्टूबर को पहले सेमीफाइनल की मेजबानी भी कर सकता है, लेकिन केवल तभी जब पाकिस्तान क्वालीफाई करने में विफल हो। इससे भारतीय प्रशंसकों को अपनी टीम को फिर से देखने का मौका मिल सकता है, अगर भारत ग्रुप चरण में शीर्ष या चौथे स्थान पर रहता है

मुंबई सिटी ने जोथनपुइया के साथ तीन साल का करार किया, मिडफील्ड को मिलेगी नई मजबूती

एजेंसी

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब मुंबई सिटी एफसी ने मिजोरम के उभरते मिडफील्डर जोथनपुइया को अपने साथ जोड़ने की घोषणा की है। 20 वर्षीय जोथनपुइया ने आइज़ॉल एफसी से मुंबई सिटी में तीन साल का करार किया है। जोथनपुइया, जिन्हें प्यार से 'पुइपुइया' कहा जाता है, ने 2022 में मिजोरम की इलेक्ट्रिक वेंग एफसी से अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने आई-लीग 2 में ओरांजे एफसी और 2024 कलकत्ता लीग में सदर्न समिटी का प्रतिनिधित्व किया। 2024-25 सीज़न में उन्होंने आइज़ॉल एफसी के लिए 20 मैचों में 3 गोल और 2 असिस्ट दर्ज किए, जिससे उन्होंने मिडफील्ड में अपनी उपयोगिता साबित की। मुंबई सिटी

एफसी ने नए सीजन के लिए अपनी टीम को युवा और ताज़ा ऊर्जा से लैस करने का फैसला किया है। जोथनपुइया का आगमन 2025-26 सीजन और भविष्य की योजनाओं को देखते हुए मिडफील्ड को नई गहराई और संतुलन देगा। जोथनपुइया ने कहा कि मुंबई सिटी एफसी से जुड़कर मैं बेहद उत्साहित हूं। यह एक प्रतिष्ठित क्लब है जिसने कई खिताब जीते हैं। मैं टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं और यहां के अनुभवी खिलाड़ियों से सीखते हुए खुद को और बेहतर बनाना चाहता हूं। द्वुस्रु में खेलना मेरा सपना था और अब वह सपना मुंबई सिटी के साथ साकार हो रहा है। वहीं, मुंबई सिटी के डायरेक्टर सुझय शर्मा ने कहा कि जोथनपुइया एक युवा और होनहार खिलाड़ी हैं, जिन्होंने शुरुआती वर्षों में ही अपनी प्रतिभा दिखा दी है। मिडफील्ड में उनकी विविधता और योगदान करने की क्षमता हमारी टीम के लिए फायदेमंद होगी।

अंडर-19 क्रिकेट टीम (मेन) के चयन के लिए 21 जून को ट्रायल्स

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर-19 क्रिकेट टीम (मेन) के चयन के लिए 21 जून को ट्रायल रखे गए हैं। ट्रायल प्रक्रिया हमीरपुर जिला के अमतर स्थित अटल बिहारी वाजपेई क्रिकेट स्टेडियम में पूरी की जाएगी। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि ट्रायल में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी खिलाड़ी हिमाचली बोनाफाइड होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रायल में एक सितंबर 2006 को या इसके बाद पैदा हुए युवा ही हिस्सा ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रायल्स में वही खिलाड़ी हिस्सा ले पाएंगे जो एचपीसीए के साथ पंजीकृत हैं। ट्रायल्स के दौरान खिलाड़ियों को जन्मतिथि प्रमाण पत्र, 10वीं का प्रमाणपत्र, बोनाफाइड और आधारकार्ड साथ लाने होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए होने जा रहे यह ट्रायल्स 21 जून को सुबह नौ बजे से शुरू होंगे। खिलाड़ियों को अपना किट साथ लाना होगा।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत अंडर-19 टीम में दो बदलाव, चोटिल आदित्य राणा और खिलन पटेल टीम से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारत अंडर-19 टीम में दो अहम बदलाव किए गए हैं। जूनियर क्रिकेट समिति ने आदित्य राणा और खिलन पटेल के स्थान पर डी. दीपेश और नमन पुष्पक को टीम में शामिल किया है। दोनों खिलाड़ी पहले से ही स्टैंडबाय सूची में शामिल थे। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे हाई परफॉर्मेंस कैंप के दौरान आदित्य राणा को पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ, जबकि खिलन पटेल के दाहिने पैर में स्ट्रेस रिएक्शन की समस्या पाई गई। चिकित्सा टीम की सलाह के अनुसार, दोनों खिलाड़ियों को आराम की आवश्यकता है, जिसके चलते उन्हें दौरे से बाहर कर दिया गया। भारत अंडर-19 टीम का यह दौरा इंग्लैंड में युवा खिलाड़ियों के अनुभव और कौशल को निखारने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। चयनकर्ताओं का मानना है कि दीपेश और नमन जैसे होनहार खिलाड़ी टीम

को मजबूती प्रदान करेंगे।

अपडेटेड भारतीय अंडर-19 टीम:

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्याराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर. एस. अम्ब्रीश, कनिष्क चौहान, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, अनमोलजीत सिंह, डी. दीपेश, नमन पुष्पक।

महिला विश्व कप के बाद वनडे को अलविदा कहेंगी सोफी डिवाइन, टी20 करियर रहेगा जारी

एजेंसी

वेलिंगटन/नई दिल्ली। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने घोषणा की है कि वह इस वर्ष भारत और श्रीलंका में होने वाले 50 ओवर के महिला विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के साथ कैजुअल (चयनित) अनुबंध के तहत उपलब्ध रहेंगी। 35 वर्षीय डिवाइन ने यह घोषणा न्यूजीलैंड की 17 सदस्यीय महिला अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची जारी होने से ठीक एक दिन पहले की है। चूंकि वह अब केंद्रीय अनुबंध का हिस्सा नहीं होंगी, इसलिए विश्व कप के बाद एक नई वनडे कप्तान की नियुक्ति की जाएगी। डिवाइन ने 2006 में 17 साल की उम्र में वनडे डेब्यू किया था और करीब 19 वर्षों तक न्यूजीलैंड की एक प्रमुख ऑलराउंडर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। वह न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक वनडे खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं और वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में चौथे स्थान पर हैं। लेकिन संभावना है कि विश्व कप के दौरान वह 4000 रन का आंकड़ा पार कर डेबी हॉकलि को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगी। उनके नाम 8 वनडे शतक हैं, जो न्यूजीलैंड की

महिलाओं में सुजी बेट्स के बाद दूसरा सर्वोच्च आंकड़ा है। साथ ही, वह 100 से अधिक विकेट लेने वाली दो न्यूजीलैंड महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, और इस सूची में भी ली ताहुहु के बाद दूसरे स्थान पर हैं। डिवाइन ने एक बयान में कहा, मुझे लगता है कि यह सही समय है धीरे-धीरे पीछे हटने का। एनजेडसी का सहयोग पाकर मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं। इससे मुझे टीम के साथ जुड़े रहने का मौका भी मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए जरूरी है कि सभी जानें कि मैं पूरी तरह समर्पित हूं और विश्व कप तक इस टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इस युवा टीम के भविष्य को लेकर मैं उत्साहित हूं और आने वाले 6-9 महीनों में अपनी भूमिका निभाने को लेकर तैयार हूं। एनजेडसी की महिला हाई परफॉर्मेंस प्रमुख लिज़ ग्रीन ने कहा, सोफी ने व्हाइट फर्न्स के लिए लगभग दो दशक तक सेवा दी है। हम उनके निर्णय का पूरी तरह समर्थन करते हैं और यह समझौता उनके और टीम दोनों के लिए सकारात्मक है। एनजेडसी के मुख्य कार्यकारी स्कॉट वीनिंक ने कहा, सोफी डिवाइन एक असाधारण लीडर और खेल की महान ऑलराउंडर्स में से एक रही हैं। उनकी विरासत और युवा खिलाड़ियों के विकास के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है।

नेतन्याहू का विवादास्पद बयान- ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या से 'संघर्ष खत्म होगा, बढ़ेगा नहीं'

एजेंसी

जेरूसलम। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बड़ा और विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने इशारा किया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को निशाना बनाना एक संभावित विकल्प हो सकता है और यह संघर्ष को बढ़ाने की बजाय खत्म कर देगा। यह टिप्पणी उन्होंने एक अमेरिकी न्यूज चैनल से बात करते हुए की। जब उनसे सीधा सवाल पूछा गया कि क्या खामेनेई की हत्या एक विचाराधीन विकल्प है, तो नेतन्याहू ने कहा, हम वो कर रहे हैं जो हमें करना है।÷ उन्होंने आगे कहा कि यह शासन पिछले पचास वर्षों से पूरे मध्य पूर्व को आतंकित करता आया है। ईरान एक हमेशा का युद्ध चाहता है, और हमें परमाणु युद्ध की कगार पर ला रहा है। इजराइल जो कर रहा है, वह इस आक्रामकता को रोकने और इसे खत्म करने की दिशा में है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेती हत्या से संघर्ष समाप्त होता है तो यह बेहतर विकल्प है। उन्होंने यहां तक कहा कि शायद यह एकमात्र तरीका है। बुराई की ताकतों के खिलाफ डटकर खड़ा होना ही होगा।

कैलगरी में प्रधानमंत्री मोदी का फोकस रहेगा वैश्विक प्राथमिकताओं पर

कैलगरी। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां पहुंचने पर कहा कि उनका फोकस वैश्विक प्राथमिकताओं पर रहेगा। उन्होंने कुछ समय पहले एक्स पर लिखा, जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कैलगरी (कनाडा) पहुंच गया हूं। शिखर सम्मेलन में विभिन्न नेताओं से मुलाकात करूंगा और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा करूंगा। वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं पर भी जोर दूंगा। कैलगरी कनाडा के अल्बर्टा प्रांत का एक प्रमुख शहर है। कैलगरी प्रांत के दक्षिणी भाग के कनाडाई रॉकीज के पूर्व में ऊंचे मैदानों और तलहटी के क्षेत्र में स्थित है। जी- 7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की लगातार छठी भागीदारी है। यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की तीन देशों की आधिकारिक यात्रा का हिस्सा है। इसकी शुरुआत साइप्रस से हुई और इसका समापन क्रोएशिया में होगा। कैलगरी में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य प्रमुख राष्ट्राध्यक्ष मौजूद हैं।

इजराइल-ईरान संघर्ष के चौथे दिन जान-माल का भारी नुकसान, कूटनीतिक प्रयास ठप

तेहरान/जेरूसलम। इजराइल और ईरान के बीच चल रहा घातक सैन्य टकराव चौथे दिन और उग्र रहा। दोनों देशों के बीच मिसाइल और ड्रोन हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, जिससे जनहानि के साथ-साथ कूटनीतिक संवाद भी ठप पड़ गया है।

ईरान ने इजराइल पर दागीं 370 मिसाइलें

इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, अब तक ईरान ने 370 बैलिस्टिक मिसाइलें और सैकड़ों ड्रोन इजराइल की ओर दागे हैं, जिनमें 30 ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। जवाबी कार्रवाई में इजराइल ने तेहरान, केरमांशाह समेत कई ईरानी शहरों पर हमले किए, जिनमें एक मिसाइल निर्माण इकाई और एक अस्पताल भी क्षतिग्रस्त हुआ। इन हमलों में जहां इजराइल में 24 लोगों की मौत हुई और 592 लोग घायल हुए। घायलों में 10 की हालत नाजुक है। वहीं, ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अब तक के इजराइली हमले में 224 नागरिक मारे गए हैं।

आरोप-प्रत्यारोप और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

इजराइली रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज ने ईरानी नेतृत्व को कायर हत्यारा करार देते हुए कहा कि तेहरान के नागरिकों को इसकी कीमत चुकानी होगी और वह समय दूर नहीं। वहीं, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने जवाब दिया कि इस युद्ध की शुरुआत हमने नहीं की, लेकिन हम हमले के स्तर के अनुसार प्रतिक्रिया जरूर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक इजराइल हमले नहीं रोकता, तब तक परमाणु वार्ता में भाग नहीं लिया जाएगा।

इजराइल ने ईरान के नए आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ अली शादमानी को मार गिराया

तेहरान (ईरान)। ईरान और इजराइल के बीच छिड़े भीषण सैन्य टकराव का आज पांचवां दिन है। तेज हुए हवाई हमलों से दोनों देशों के आसमान से धरती पर 'मौत' बरस रही है। ड्रोन, मिसाइल और बमबारी के धमाकों से कानों के परदे सुन्न पड़ने लगे हैं। यह लड़ाई ईरान को काफी भारी पड़ रही है। ईरान की सेना के दर्जनभर टॉप कमांडर मारे जा चुके हैं। कई परमाणु वैज्ञानिकों की जान चा चुकी है। सैन्य ठिकानों को भी भारी नुकसान हुआ है। इजराइल के ताजा मिसाइल हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी शीर्ष सैन्य अधिकारी अली शादमानी जान चली गई। हालांकि, ईरान ने शादमानी की मौत के बारे में इजराइल के दावों पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। अमेरिका के सीएनएन चैनल ने अपनी खबर में इजराइली वायुसेना के हवाले से कहा कि ताजा हमले में खामेनेई का करीबी और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के खातम-अल अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रमुख अली शादमानी की मौत हो गई है। इजराइली रक्षा बलों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर पूरी रात ईरान में हमला किया है। इजराइली वायुसेना ने तेहरान के केंद्र में एक स्टाफयुक्त कमांड सेंटर पर हमला कर अली शादमानी को मार गिराया।

साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स ने पीएम मोदी को दिखाया निकोसिया शहर

एजेंसी

साइप्रस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साइप्रस दौरे से जुड़ी कुछ तस्वीरों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। उन्होंने साइप्रस के निकोसिया शहर को दिखाने के लिए राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स का आभार जताया। उन्होंने कहा कि हमें साइप्रस के साथ लोगों के बीच और घनिष्ठ संबंधों की आशा है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स को धन्यवाद कि उन्होंने मुझे निकोसिया के ऐतिहासिक शहर के कुछ हिस्सों को दिखाया। हमें साइप्रस के साथ लोगों के बीच और घनिष्ठ संबंधों की आशा है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस ने अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III' से सम्मानित किया है। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स ने उन्हें यह सम्मान दिया। पीएम मोदी ने साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'साइप्रस के 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III' का सम्मान पाकर मैं बहुत खुश हूं। मैं इसे हमारे देशों के बीच मित्रता को समर्पित करता हूं। इसके बाद, पीएम मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स ने संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित किया। पीएम मोदी ने सीमा पार आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में साइप्रस के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को लेकर भी चिंता व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा, मैं भव्य स्वागत और आतिथ्य सत्कार के लिए राष्ट्रपति का हृदय से धन्यवाद करता हूं। जब से मैंने साइप्रस की धरती पर कदम रखा है, तब से यहां के राष्ट्रपति और यहां के लोगों ने जो अपनापन और स्नेह दिखाया है, वह सीधे दिल को छू गया। अभी कुछ देर पहले ही मुझे साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान केवल मेरा नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह भारत और साइप्रस की अटूट मित्रता पर मुहर है। इसके लिए मैं एक बार फिर हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

अमेरिकी जज ने ट्रंप को दिया झटका, कहा- एनआईएच का अनुदान रद्द करना अवैध

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के एक संघीय जज ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका दिया है। जज ने फैसले में कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) का अनुदान रद्द करने वाला ट्रंप का निर्देश अमान्य और अवैध है। रद्द किए गए कुछ अनुदानों में एलजीबीटीक्यू आदि के शोध अनुदान भी शामिल थे।

न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, यह फैसला मैसाचुसेट्स के संघीय जज विलियम यंग ने सुनाया। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज यंग ने कहा कि यह संघीय कानून का उल्लंघन है। ऐसा निर्देश नस्लीय भेदभाव है। अनुदान रद्द करने के बाद एक अमेरिकी सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ और 16 राज्यों के समूह ने मुकदमा दायर किया गया था। मुकदमे कहा गया था कि अनुसंधान निधि में 1.8 बिलियन डालर तक की कटौती की गई है। जज ने फैसले में अनुदानों को बहाल करने का आदेश दिया। स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग के संचार निदेशक एंड्रयू निक्सन ने फैसले पर कहा कि एजेंसी शोध के लिए वित्त पोषण समाप्त करने के

अपने निर्णय पर कायम है। निक्सन ने कहा कि वह अपील दायर करने और आदेश पर रोक लगाने के लिए आगे बढ़ने सहित सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वादीगणों में हार्वर्ड टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ब्रिटनी चार्लटन भी शामिल हैं। चार्लटन ने एक बयान में अदालत के फैसले पर खुशी जताई। अदालत ने सरकार के कार्यों की निंदा की और अनुदानों को बहाल करने का आदेश दिया।

फ्रांस ने पेरिस एयरशो में हथियार स्टॉल बंद करने का इजराइल ने जताया विरोध

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस और इजराइल के बीच पारंपरिक मित्रता के बावजूद गाजा को लेकर बढ़ती कूटनीतिक संवेदनशीलता के चलते फ्रांस ने पेरिस एयरशो में इजराइल की प्रमुख रक्षा कंपनियों के स्टॉल बंद कर दिए।

फ्रांसीसी सरकार का कहना है कि इन कंपनियों को हमलावर हथियार प्रदर्शित करने से पहले ही रोक की चेतावनी दी गई थी, जिसे नजरअंदाज किया गया। प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बैरू के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि एयरशो में भाग लेने वाले सभी प्रदर्शकों को पहले ही सूचित कर दिया गया था कि आक्रामक हथियारों को प्रदर्शित करने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही, इजराइल दूतावास ने इस प्रतिबंध को मानने पर सहमति भी जताई थी। प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इजराइली कंपनियां नियमों का पालन करती हैं, तो उन्हें अपने स्टॉल फिर से खोलने की अनुमति

दी जा सकती है।

फ्रांस्वा बैरू ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, फ्रांस की कूटनीतिक नीति और विशेष रूप से गाजा को लेकर गहरी चिंता के मद्देनजर ऐसे आक्रामक हथियारों की सार्वजनिक प्रदर्शनी को स्वीकार नहीं किया जा सकता। फ्रांस के इस कदम की इजराइल ने कड़ी आलोचना की है और इसे फ्रांस-इजराइल संबंधों में एक असहज मोड़ बताया है। एयरशो में प्रतिबंध से यह स्पष्ट है कि गाजा संकट पर वैश्विक दृष्टिकोण अब रक्षा उद्योग को भी प्रभावित कर रहा है।

ईरानी हमले से इजरायल की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी बंद

एजेंसी

यरूशलम । ईरान के मिसाइल हमले के बाद इजरायल की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी कंपनी बाजान ने घोषणा की है कि हाइफा बंदरगाह पर उसके सभी प्लांट्स पूरी तरह से बंद कर दिए गए हैं। इस हमले में रिफाइनरी को भारी नुकसान हुआ है। सोमवार रात को हुए हमले में कंपनी के तीन कर्मचारी मारे गए, जिससे रणनीतिक परिसर में आग लग गई। समाचार एजेंसी ने इजरायली दैनिक हारेत्ज के हवाले से बताया कि वीडियो फुटेज में आग की लपटें दिखाई दे रही हैं और अग्निशमन दल अभी भी आग बुझाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कंपनी ने तेल अवीव स्टॉक एक्सचेंज को दी गई सूचना में कहा कि प्लांट्स में बिजली उत्पादन के लिए जिम्मेदार पावर स्टेशन को नुकसान पहुंचने के अलावा बाकी चीजें भी हमले में प्रभावित हुई हैं। इस स्तर पर, सभी रिफाइनरी और सहायक सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। बाजन ने कहा कि वे अभी भी क्षति की सीमा और परिचालन पर इसके प्रभाव का आकलन कर रहे हैं, साथ ही स्थिति से निपटने के सर्वोत्तम तरीके पर भी विचार कर रहे हैं। ईरानी हमला

इस्लामिक रिपब्लिक और इजरायल के बीच चार दिनों से चल रहे घातक हवाई युद्ध के बीच हुआ है, जिसमें ईरान में कम से कम 244 और इजरायल में 24 लोगों की जान चली गई है। इजरायल की ओर से ईरान पर अचानक किए गए हवाई हमलों के बाद इस क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। इजरायली अधिकारियों ने बताया कि ईरान ने सुबह से पहले इजराइल पर मिसाइल से नया हमला किया, जिसमें कम से कम आठ लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। इजरायली हमले से शुरू हुआ चार दिवसीय संघर्ष और भी तेज हो गया है।

मिसाइल हमले से पूरे इजरायल में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। उत्तरी इजरायल के एक प्रमुख तटीय शहर हाइफ़ा के ऊपर काले धुएं का गुबार उठ रहा था और प्रत्यक्षदर्शियों ने देश के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में कई विस्फोटों की सूचना दी।स्थानीय अधिकारियों ने कई स्थानों पर मौतों की पुष्टि की है। मेयर रामी ग्रीनबर्ग के अनुसार, तेल अवीव के पूर्व में स्थित शहर पेटाह टिकवा में एक रिहायशी इमारत पर मिसाइल गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त इमारत और तीन आस-पास की इमारतों से सैकड़ों निवासियों को निकाला गया। घटनास्थल से ली गई तस्वीरों में बहुमंजिला इमारतें दिखाई दे रही हैं, जिनमें विस्फोट से काफी नुकसान हुआ है और मलबा बिखरा हुआ है।

'बिना पैसे और साधनों के हमला नहीं हो सकता', एफएटीएफ ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की

एजेंसी

पेरिस। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। एफएटीएफ ने कहा कि यह हमला आतंकी समर्थकों के बीच धन और फंड ट्रांसफर के साधनों के बिना संभव नहीं हो सकता था।

एफएटीएफ ने एक बयान में कहा कि आतंकी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए क्रूर आतंकवादी हमले पर एफएटीएफ गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसकी निंदा करता है। इस तरह के हमले बिना धन और आतंकी समर्थकों के बीच फंड ट्रांसफर के साधनों के संभव नहीं हो सकते। बयान में आगे कहा गया, ÷जैसा कि एफएटीएफ अध्यक्ष ने म्यूनिख में हाल ही में आयोजित 'नो मनी फॉर टेरर' सम्मेलन में बताया, कोई अकेली कंपनी, प्राधिकरण या देश इस चुनौती का सामना अकेले नहीं कर सकता। हमें वैश्विक आतंकवाद के खतरे के खिलाफ एकजुट होना होगा क्योंकि आतंकवादियों को अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए केवल एक बार सफल होने की जरूरत होती है, जबकि हमें इसे रोकने के लिए हर बार सफल

होना पड़ता है।' जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष पर्यटक मारे गए थे। पहलगाम आतंकी हमले की जांच में आतंकियों के पाकिस्तान से संचार नेटवर्क का पता चला। द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) नामक समूह ने, जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा है, इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। हालांकि, बाद में उसने वह पलट गया था। भारत ने मई और नवंबर 2024 में संयुक्त राष्ट्र की 1267 प्रतिबंध समिति की निगरानी टीम को अर्ध-वार्षिक रिपोर्ट में टीआरएफ के बारे में जानकारी दी थी, जिसमें पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों के लिए एक आवरण के रूप में इसकी भूमिका को सामने लाया गया था। इससे पहले, दिसंबर 2023 में भारत ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के बारे में जानकारी दी थी, जो टीआरएफ जैसे छोटे आतंकी समूहों के माध्यम से काम कर रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 25 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रेस वक्तव्य में टीआरएफ के संदर्भों को हटाने के लिए पाकिस्तान के दबाव को उजागर किया था।

ईरानियों को तेहरान खाली करने की चेतावनी दे डोनाल्ड ट्रंप ने जी-7 शिखर सम्मेलन बीच में छोड़ा

एजेंसी

कैलगरी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कैलगरी में चल रहे जी-7 शिखर सम्मेलन को समापन से एक दिन पहले ही छोड़ने का फैसला किया है। वह मध्य पूर्व में बढ़ रहे तनाव से चिंतित हैं। उन्होंने ईरान के नागरिकों को फौरन तेहरान छोड़ने की चेतावनी भी दी है। न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि इजराइल और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष तेजी से बढ़ रहा है। इससे पहले उन्होंने ईरानियों को अपने राजधानी शहर को तुरंत खाली करने की चेतावनी दी। ट्रंप ने कहा कि इसके बाद होने वाली प्रतिक्रिया पर नजर रखने के लिए वह कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले वाशिंगटन लौट जाएंगे। जी-7शिखर सम्मेलन में ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, मुझे जल्द से जल्द वापस अमेरिका लौटना है। इससे पहले व्हाइट हाउस ने संकेत दिया था कि मध्य पूर्व में तनाव को देखते हुए राष्ट्रपति ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका लौटेंगे। ट्रंप ने कहा कि उनकी योजना मंगलवार देररात तक कनाडा में रुकने की थी। मगर वह सम्मेलन को बीच में छोड़ रहे हैं। ट्रंप ने यहां नेताओं के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि ईरान बातचीत की मेज पर है। वह सौदा करना चाहता है। जैसे ही मैं यहां से जाऊंगा, इस पर कामयाबी मिल सकती है। शिखर सम्मेलन में ट्रंप के उपस्थित रहने के कुछ घंटों में ही विभाजन की स्थिति पैदा हो गई।

ईरान-इजरायल संघर्ष : दूतावास ने भारतीय छात्रों को तेहरान से निकाला

एजेंसी

तेहरान । ईरान-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर भारतीय दूतावास, तेहरान में मौजूद भारतीय छात्रों को शहर से बाहर निकाल चुका है। इसके साथ ही अन्य लोग, जिनके पास खुद का ट्रांसपोर्ट है, उन्हें भी शहर से बाहर जाने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही कुछ भारतीयों को आर्मेनिया की सीमा के माध्यम से ईरान छोड़ने में मदद की गई है। दूतावास हरसंभव सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से अपने लोगों के साथ लगातार संपर्क में बना हुआ है।भारत ने ईरान में अपने नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) से इलाके में बढ़ते तनाव के मद्देनजर तेहरान खाली करने को कहा है। इन लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने और दूतावास से संपर्क में रहने का निर्देश दिया गया

है। ईरान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया, सभी भारतीय नागरिक और पीआईओ, जो अपने संसाधनों का उपयोग करके तेहरान से बाहर निकल सकते हैं, उन्हें शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी जाती है। सभी भारतीय नागरिक, जो तेहरान में हैं और दूतावास के संपर्क में नहीं हैं, उनसे अनुरोध है कि वे तुरंत तेहरान में भारतीय दूतावास से संपर्क करें और अपना स्थान और कॉन्टैक्ट नंबर दें। कृपया +989010144557, +989128109115, +989128109109 पर संपर्क करें। पिछले पांच दिनों से इजराइल-ईरान के बीच संघर्ष जारी है। दोनों देशों के बीच शत्रुता बढ़ती ही जा रही है। ईरान की ओर से इजरायल पर कई मिसाइलें दागी गई हैं, जिससे हाइफा और उत्तरी इजरायल के दर्जनों शहरों और समुदायों के साथ-साथ कब्जे वाले गोलान हाइट्स में एयर रेड साइरन बजने लगे हैं। इसकी पुष्टि इजरायली सेना ने की है।इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी लोगों से तेहरान खाली करने को कह चुके हैं। ट्रंप ने मंगलवार को ट्रुथ पर पोस्ट किया, ईरान को उस समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहिए था, जिस पर हस्ताक्षर करने के लिए मैंने उन्हें कहा था। यह कितनी शर्म की बात है। यह मानव जीवन की बर्बादी है। सीधे शब्दों में कहें तो, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। मैंने इसे बार-बार कहा है! सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए! अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी घोषणा की कि वह मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच स्थिति पर बारीकी से नजर रखने के लिए कनाडा में ग्रुप ऑफ 7 (त्न7) शिखर सम्मेलन की अपनी यात्रा को छोटा कर देंगे।

जी7 ने इजरायल का समर्थन किया, ईरान को बताया 'क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का स्रोत'

एजेंसी

टोरंटो । इजरायल-ईरान में पिछले पांच दिनों से संघर्ष जारी है। इस तनाव के बीच मंगलवार को ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) देशों के नेताओं ने मिडिल-ईस्ट में शांति और स्थिरता के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की है। इसके साथ ही इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार को सपोर्ट किया है। शिखर सम्मेलन से जारी एक संयुक्त बयान में, जी7 नेताओं ने ईरान को क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का मुख्य स्रोत बताया है। उन्होंने ईरान को कभी भी न्यूक्लियर वेपन बनाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी पक्षों से गाजा में युद्ध विराम और तनाव कम करने की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया है। बयान में कहा गया, हम जी-7 के नेता, मिडिल-ईस्ट में शांति और स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। इस संदर्भ में, हम पुष्टि करते हैं कि इजरायल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। हम इजरायल की सुरक्षा के लिए अपना समर्थन दोहराते हैं। हम नागरिकों की सुरक्षा के महत्व की भी पुष्टि करते हैं। ईरान क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का मुख्य स्रोत है। हमारा स्पष्ट मत है कि ईरान के पास न्यूक्लियर वेपन नहीं होना चाहिए। इसके साथ हम ये भी आग्रह करते हैं कि ईरानी संकट का समाधान हो जिससे मिडिल ईस्ट में तनाव कम हो। हम गाजा में भी युद्धविराम चाहते हैं। बयान में बढ़ते तनाव के बीच एनर्जी मार्केट की स्थिरता को बनाए रखने के लिए जी7 की कार्रवाई करने की तत्परता को भी रेखांकित किया गया है। इस बीच, तनाव और बढ़ गया है। इजरायल ने तेहरान के निवासियों को हवाई हमलों से पहले शहर खाली करने की चेतावनी दी है। इजरायली अधिकारियों ने नागरिकों से तत्काल ईरानी राजधानी छोड़ने की अपील की है, जो एक बड़े पैमाने पर हमले का संकेत है। बिगड़ती स्थिति के जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जी7 शिखर सम्मेलन के लिए अपनी यात्रा को एक दिन कम कर दिया। इजरायल-ईरान के इस तनाव के बीच दोनों देशों ने एक-दूसरे के खिलाफ मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर ट्रम्प ने लोगों से तेहरान को खाली करने को कहा है।

इजराइल ने ईरान के सरकारी टीवी आईआरआईबी के मुख्यालय पर लाइव प्रसारण के दौरान बमबारी की

एजेंसी

तेहरान। इजराइल ने कल ईरान के सरकारी टेलीविजन इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के मुख्यालय को निशाना बनाया। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल के लड़ाकू विमानों ने लाइव प्रसारण के दौरान बमबारी की। इस घटना की वीडियो क्लिप भी सामने आई है। इसे बीबीसी ने अपने समाचार के साथ साझा किया है। वीडियो क्लिप में लाइव प्रसारण के दौरान इमारत में जबरदस्त धमाका होता है। इससे महिला एंकर दहल जाती है। स्क्रीन पर धुआं और न्यूज रूम में मलबा भर जाता है। जैसे ही एंकर जल्दी से बाहर निकलती है, कांच के टूटने और चीखने की आवाजें सुनाई देती हैं। अल जजीरा चैनल ने अपनी खबर में इस एंकर का नाम सहर इमामी बताया है। ईरान ने कहा है कि इजराइल ने सेंट्रल ईरान में भी कई जगहों पर बमबारी की है। इस हमले में कुछ पत्रकारों के मारे जाने की सूचना है। मगर इसकी पुष्टि न तो ईरान ने की है और न ही इजराइल ने। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल ने कुद्स फोर्स के कमांड सेंटर पर भी हमला किया है। यह ईरानी सेना की कुलीन और गुप्त शाखा है। यह मुख्य रूप से ईरान के विदेशी अभियानों देखती है।

प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा से रणनीतिक सह्योग को बढ़ावा, 'एक्शन प्लान' तैयार करने पर सहमति बनी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक साइप्रस यात्रा ने भारत की वैश्विक कूटनीति को नई दिशा दी है। अपनी दो दिवसीय यात्रा (15-16 जून) के दौरान प्रधानमंत्री ने साइप्रस की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया।द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करने के लिए 2025 से 2029 तक की एक विस्तृत 'एक्शन प्लान' तैयार करने पर सहमति बनी। दोनों देशों के विदेश मंत्रालय इस कार्य योजना के कार्यान्वयन की निगरानी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलाइड्स के साथ आज औपचारिक वार्ता की। राष्ट्रपति भवन पहुंचने पर उनका औपचारिक स्वागत किया गया। एक दिन पहले राष्ट्रपति स्वयं एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए पहुंचे थे। यह दोनों देशों की गहरी मित्रता को दर्शाता है।दोनों नेताओं ने साझा मूल्यों, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री ने अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा और भारत के साथ एकजुटता के लिए साइप्रस का आभार जताया। साथ ही उन्होंने साइप्रस की एकता और 'साइप्रस प्रश्न' के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के

समर्थन को दोहराया। उन्होंने व्यापार, निवेश, स्टार्टअप, रक्षा, फिनटेक, एआई, साइबर व समुद्री सुरक्षा सहित सहयोग के नए क्षेत्रों पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने रणनीतिक सहयोग के लिए पांच वर्षीय रोडमैप बनाने का निर्णय लिया। रक्षा साझेदारी को मजबूती देने वाले जनवरी 2025 के समझौते की भी सराहना की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) को क्षेत्रीय शांति व समृद्धि का वाहक बताया। संयुक्त राष्ट्र सुधार और भारत की स्थायी सदस्यता पर साइप्रस के समर्थन के लिए उन्होंने राष्ट्रपति का धन्यवाद किया।भारत और साइप्रस ने संयुक्त घोषणा में 'इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी)' को एक रणनीतिक और परिवर्तनकारी परियोजना के रूप में पहचाना। यह गलियारा भारत को मध्य पूर्व और यूरोप से जोड़ते हुए व्यापार, संपर्क और टिकाऊ विकास को नया आयाम देगा। साइप्रस को यूरोप का प्रवेश द्वार मानते हुए दोनों पक्षों ने इसे एक क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया। भारतीय शिपिंग कंपनियों को साइप्रस में उपस्थिति बढ़ाने और संयुक्त समुद्री परियोजनाओं के ज़रिये समुद्री सहयोग को मजबूत करने की सहमति बनी। दोनों नेताओं ने वैश्विक शासन प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। साइप्रस ने सुरक्षा परिषद के विस्तार में भारत को स्थायी सदस्य बनाने के लिए अपना समर्थन दोहराया। दोनों देशों ने आतंकवाद के वित्तपोषण, पनाहगाह और बुनियादी ढांचे को समाप्त करने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता बताई। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के अंतर्गत आतंकवाद से संबंधित प्रस्तावों के प्रभावी कार्यान्वयन की मांग की।अगले साल यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता संभालने जा रहे साइप्रस ने भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने का वादा किया। दोनों पक्षों ने 2025 तक ईयू-भारत मुक्त व्यापार समझौते के समापन का समर्थन किया। समुद्री, हरित ऊर्जा, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग की दिशा में प्रगति की सराहना की गई।

जुदा हुए कुशाल टंडन और

शिवांगी जोशी

एक्टर ने दी ब्रेकअप की जानकारी, बोले- कोई पछतावा नहीं

शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन के फैंस के लिए एक बुरी खबर है. दरअसल टीवी के मशहूर एक्टर कुशाल टंडन, 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम खूबसूरत शिवांगी जोशी कुछ समय से डेट कर रहे थे. ये भी कहा जा रहा था कि दोनों जल्द ही शादी कर सकते हैं. लेकिन अब कुशाल टंडन ने खुद सोशल मीडिया पर शिवांगी के साथ अपने ब्रेकअप की जानकारी दी, हालांकि सोशल मीडिया पर ब्रेक अप की पुष्टि करने के कुछ समय बाद ही कुशाल ने अपनी ये इंस्टाग्राम स्टोरी डिलीट कर दी.

कुशाल टंडन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में साफ-साफ लिखा था, मुझसे प्यार करने वाले मेरे सभी फैंस को मैं ये कहना चाहता हूं कि मैं और शिवांगी अब एक साथ नहीं हैं. इस बात को अब 5 महीने हो गए हैं. यानी कुशाल ने सीधे तौर पर बता दिया है कि वो और शिवांगी अब अलग हो चुके हैं. इस स्टोरी के तुरंत बाद, उन्होंने अगली स्टोरी में लिखा, मैं सिंगल और खुश हूं और इस बात का मुझे कोई पछतावा नहीं है. हालांकि, इन दोनों स्टोरीज को कुशाल ने कुछ ही समय बाद हटा दिया, लेकिन ये खबर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है.

सीरियल के सेट पर हुआ था प्यार

कुशाल टंडन और शिवांगी जोशी की मुलाकात टीवी सीरियल 'बरसातें ङ्क मौसम प्यार का' के सेट पर हुई थी. इस शो में दोनों ने लीड रोल निभाया था और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. सीरियल के दौरान ही दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई थी, जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गई. भले ही दोनों ने एक दूसरे के साथ रिश्ते को लेकर कोई पुष्टि नहीं की थी. लेकिन दोनों ने इस बात से इनकार भी नहीं किया था. शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन को उनका सीरियल खत्म होने के बाद भी कई बार एक साथ देखा गया था और उनके सोशल मीडिया पोस्ट भी उनके रिश्ते की तरफ इशारा कर रहे थे.

फैंस हुए हैरान

कुशाल के इस अचानक खुलासे से फैंस हैरान रह गए, क्योंकि कई लोगों को लग रहा था कि इन दोनों का रिश्ता काफी मजबूत है. हालांकि, कुशाल ने ब्रेकअप की कोई खास वजह नहीं बताई है. बस इतना कहा कि वे पांच महीने से अलग हैं और वो अकेले खुश हैं. फिलहाल,शिवांगी जोशी की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

इरफान खान

कोंकणा सेन

की जोड़ी, केके का अलविदा... 18 साल बाद कितनी बदल गई मेट्रो लाइफ?

अनुराग बासु की आने वाली फिल्म मेट्रो इन दिनों के ट्रेलर ने आज से अट्ठारह साल पीछे जाने पर मजबूर कर दिया. यह फिल्म चार जुलाई को सिनेमा घरों में रिलीज होगी. इस फिल्म की कहानी में एक बार फिर से महानगरों की जिंदगी दिखाने की कोशिश की जाएगी, जैसा कि फिल्म का ट्रेलर देखने से जाहिर होता है. यह फिल्म इसलिए खासी मायने रखती है क्योंकि अनुराग बासु ने जब साल 2007 में लाइफ इन मेट्रो बनाई थी, तब उस फिल्म ने महानगरीय जिंदगी जीने वालों को एक प्रकार से झकझोर दिया था. फिल्म दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में रहने वाले मध्यवर्गीय सोसायटी का आईना कहलाई. उस फिल्म की यादें आज भी ताजा हैं. इरफान-कोंकणा और शाइनी- शिल्पा की कैमेस्ट्री भूलना मुश्किल है. मेट्रो इन दिनों का ट्रेलर देखने के बाद उसकी एक झलक आंखों में फिर से कौंध गई.

वहीं अलविदाज गाने के साथ केके की आवाज भी कानों में फिर से गूंज गई. अनुराग बासु की मेट्रो इन दिनों में कुछ कलाकार लाइफ इन मेट्रो के हैं तो कुछ अलग भी. मसलन आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फ़ज़ल, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, नीना गुप्ता, अनुपम खेर और शास्वत चटर्जी आदि. मेट्रो इन दिनों को अट्ठारह साल पुरानी चर्चा और प्रतिष्ठा दिलाने का भार इन्हीं कलाकारों के कंधे पर है. इन नामों की सूची देखने के बाद जाहिर होता है कि डायरेक्टर ने इसमें कोंकणा सेन शर्मा को फिर से याद किया है और बाकी कलाकार सब बदल दिए हैं.

इरफान और कंगना के बिना मेट्रो इन दिनों

साल 2007 में आई लाइफ इन मेट्रो में शिल्पा शेट्टी, के के मेनन, शाइनी आहूजा, नफीसा अली, कंगना रनौत, शरमन जोशी के अलावा जिस कलाकार की उपस्थिति ने फिल्म को अलग रुतवा प्रदान किया, वह थे- इरफान खान और कंगना रनौत. इनके अलावा के के मेनन, शाइनी आहूजा भी फिल्म के खास आकर्षण थे. लेकिन 2025 की मेट्रो इन दिनों के दौर में इनकी परछाइयां ही शेष हैं. कंगना रनौत सांसद बन चुकी हैं और इस किस्म के रोल अब उन्हें रास नहीं आ रहे. वहीं इरफान खान फानी दुनिया से रुखसत कर चुके हैं.

मेट्रो इन दिनों को इरफ़ान खान के बिना देखना बहुत ही कचोट पहुंचाने वाली संवेदना जगा सकता है. इरफ़ान ने उस फिल्म में मोंटी यानी श्रुति के प्रेमी का रोल निभाकर युवतियां हों या शादीशुदा महिलाएं- दोनों के बीच अलग किस्म की लोकप्रियता बटोरी थी. यह लोकप्रियता शाहरुख, सलमान वाली लोकप्रियता से अलग किस्म की थी. इरफान को इस फिल्म ने थिंकिंग वुमेनज सिंबल की संज्ञा दी थी. वह केवल जुबान से संवाद नहीं बोलते थे बल्कि अपनी गोल आंखों के जरिए भी बखूबी बोलते थे.

कोंकणा सेन शर्मा के साथ इरफान की जोड़ी खूब जमी

उस फिल्म में श्रुति घोष के किरदार में कोंकणा सेन शर्मा के साथ उनकी जोड़ी बहुत ही अनोखी मानी गई थी. कोंकणा भी अपने ग्लैमर से कहीं ज्यादा अपने गंभीर अभिनय के लिए जानी जाती हैं. अनुराग बासु की लाइफ इन मेट्रो से कोंकणा सेन शर्मा की पहचान को नया फॉर्मेट मिला था. इरफ़ान और कोंकणा बतौर प्रेमी-प्रेमिका उस फिल्म की एक साख बने. कमर्शियल होकर भी फिल्म को एक अलग फॉर्मेट मिला, जिसे पढ़े लिखे बुद्धिजीवी वर्ग ने भी पसंद किया.

अहमदाबाद हादसे के बाद एयर इंडिया की फ्लाइट मे बैठीं रवीना टंडन, अंदर का नजारा देखकर हिल गईं

अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश से देश अब तक उबर नहीं पाया है. अहमदाबाद से यात्रियों को लंदन ले जा रहा विमान उड़ने के एक मिनट के अंदर ही क्रैश हो गया था. इसमें महज एक यात्री जीवित बच पाया. बाकी सभी 241 लोगों की मौत हो गई. इनमें यात्रियों के साथ ही क्रू मेंबर्स भी शामिल हैं. वहीं जिस जगह प्लेन गिरा था वहां के भी कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है. इस हादसे के बाद लोग प्लेन के नाम से डरने लगे हैं और हवाई जहाज में सफर करने से दूरी बनाने लगे हैं.

इस भीषण हादसे पर देश दुनिया के लोगों और दिग्गज हस्तियों ने भी शोक व्यक्त किया था. बॉलीवुड ने भी पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी. अब हादसे के कुछ दिनों बाद ही रवीना टंडन ने एयर इंडिया की फ्लाइट से उड़ान भरी है. मालूम हो कि हादसे का शिकार हुआ विमान भी एयर इंडिया का ही था. रवीना जब सफर के लिए प्लेन के अंदर गईं तो उनके होश उड़ गए. उन्होंने जो नजारा देखा वो सारी कहानी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बयां की है.

रवीना ने प्लेन के अंदर से शेयर की फोटोज

रवीना टंडन ने 16 जून, सोमवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं. वो एयर इंडिया विमान के भीतर बैठीं हुई नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस ने इन तस्वीरों में अपना टिकट भी शेयर किया है. साथ ही बताया कि आखिर अहमदाबाद हादसे के कुछ दिनों के बाद अब एयर इंडिया की फ्लाइट में कैसा माहौल है? रवीना ने कैप्शन में लिखा, नई शुरुआत सभी बाधाओं के बावजूद फिर से उड़ान भरना और मजबूत होना. सवारियों का सन्नाटा और क्रू की मुस्कान में दुख छिपा हुआ था. यात्रियों और क्रू के बीच चुपके से संवेदनाएं दिख रही हैं.

रवीना ने आगे अपनी बात जारी रखते हुए लिखा, उन परिवारों के प्रति संवेदनाएं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है. एक ऐसा घाव जो कभी नहीं भरेगा. भगवान हमेशा आपकी मदद करें एयर इंडिया. निडर होकर फिर से मजबूत बनने की इच्छा. जय हिंद.

12 जून को हुआ था हादसा

क्रू मेंबर और यात्रियों सहित 242 लोगों को 12 जून की दोपहर को अहमदबाद से लंदन ले जा रहा विमान उड़ान भरने के ठीक बाद अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था. हादसे का शिकार हुए लोगों के शवों की शिनाख्त फिलहाल DNA सैंपल के जरिए की जा रही है.

करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय की आखिरी तस्वीर आई सामने!

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने 2016 में अपने पति संजय कपूर को तलाक दे दिया था. लेकिन बच्चों के कारण दोनों की मुलाकातें होती रहती थीं, जो करिश्मा के पास रहते हैं. 12 जून की रात जब खबर आई कि करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की डेथ हो गई है तो इस खबर ने हर किसी को हैरानी में डाल दिया. संजय कपूर का निधन पोलो खेलते समय हुआ और पोलो क्लब की तरफ से संजय कपूर की आखिरी तस्वीर एक दिन पहले शेयर की गई है. इस तस्वीर में संजय कपूर हंसते हुए नजर आए.

दिल्ली के रहने वाले बिजनेसमैन संजय कपूर ज्यादातर यूके में ही रहते थे. यहां उन्होंने गार्ड्स पोलो क्लब में Sujan Indian Tigers Polo Team ज्वाइन की हुई थी और पूरी टीम के साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी. उनके साथ ही संजय अक्सर पोलो खेलने जाते थे. इस क्लब के इंस्टाग्राम पेज पर ही संजय कपूर की आखिरी मुस्कुराती तस्वीर शेयर की गई है और साथ में एक लंबा पोस्ट भी लिखा गया है. इस तस्वीर में सुजान इंडियन टाइगर्स के ओनर भी नजर आ रहे हैं.

संजय कपूर की आखिरी तस्वीर हुई वायरल

तस्वीर शेयर करने के साथ ही इसके कैप्शन में लिखा गया, 'आज हम अपने डियर फ्रेंड संजय कपूर की याद में कार्टियर ट्रॉफी का फाइनल खेलेंगे, जिनकी कुछ दिन पहले मैदान पर ट्रैजिकली डेथ हो गई थी. हमारे कैप्टन और संरक्षक, जैसल सिंह अपने पुराने दोस्त संजय कूपर के सम्मान में एक मिनट का मौन रखने के लिए टीम के साथ जाएंगे और फिर सम्मान के प्रतीक के रूप में बाहर बैठेंगे. संजय और जैसल की यह तस्वीर कुछ दिन पहले सेमीफाइनल खेलने के लिए तैयार होने से कुछ समय पहले ही ली गई थी. RIP संजय, आपकी याद आएगी, आपने इस क्लब में जो योगदान दिया वो हमेशा याद रखा जाएगा.'

करिश्मा कपूर और संजय कपूर कब हुए अलग ?

2003 में करिश्मा कपूर ने दिल्ली के रहने वाले बिजनेसमैन संजय कपूर से शादी की थी. उनके दो बच्चे समायरा और कियान हैं जो पैरेंट्स के तलाक के बाद करिश्मा के पास ही रहते हैं.

संजय कपूर ने तलाक के बाद प्रिया सचदेव से शादी कर ली थी, जिनसे उन्हें एक बेटी भी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, करिश्मा कपूर से पहले संजय कपूर ने 1996 में नंदिता महतानी के साथ शादी की थी, जिनसे वो 2000 में अलग हो गए थे.

पत्रकारों की आवाज बनकर गरजी श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा की प्रदेशाध्यक्ष डॉ इन्दु बंसल

दिव्य दिल्ली: गोहाना चंडीगढ़,वीरवार,19 जून 2025 श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा की गोहाना इकाई द्वारा श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा की पत्रकार हितैषी नीतियों व सरकार से पत्रकार हितों की लंबित मांगो को लेकर गोहाना में प्रेस वार्ता का आयोजन व श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा की गोहाना जिला इकाई की बैठक का आयोजन किया गया।इस प्रेस वार्ता को श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा की संस्थापक व प्रदेशाध्यक्ष डॉ इन्दु बंसल ने संबोधित करते हुए कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा ने 6 माह की अल्पावधि में हरियाणा में पत्रकार हितों को लेकर एक अलग मिसाल कायम की है प्रेस वार्ता में उन्हों ने कहा की 6 जिलों में श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा की जिला कार्यकारिणी गठित हो चुकी हैं जल्द ही आगामी एक माह के अंदर 8 जिलों व राजधानी चंडीगढ़ में श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा की कार्यकारिणीयां गठित कर दी जाएंगी।

डॉ बंसल ने सरकार से पत्रकारों की लंबित मांगो को जल्द से जल्द पूरा करने की बात कहते हुए कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा ने समय समय पर कार्यकर्मो का आयोजन कर अपने मंचो पर सरकार के नुमाइंदों को बुला कर पत्रकारों की समस्याओं से अवगत करवा उन्हें मांग पत्र देता रहता है।

उन्हें पूरा विस्वास है कि सरकार पत्रकारों की लंबित मांगो को जल्द पूरा करेगी।इस संदर्भ में श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा आगामी 22 जून को पटौदी व 29 जून को रेवाड़ी में प्रदेशस्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन कर पत्रकारों का सम्मान तो करेगा ही साथ ही सरकार के नुमाइंदों को एक बार फिर से अपने मंच पर आमंत्रित कर पत्रकारों की समस्याओं से अवगत भी करवाएगा।डॉ बंसल ने कहा की आगामी अगस्त तक श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा की 14 जिलों में जिला कार्यकारिणी गठित हो जाएंगी तब 14 जिलों के पत्रकारों का एक प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मेलन आयोजित होगा जिस में एक बार फिर से सरकार को पत्रकारों की लंबित मांगो को लेकर फिर से चेताया जयेगा।संघ के विस्तार पर बोलते हुए डॉ बंसल ने कहा हमारा लक्ष्य है श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा के स्थापना दिवस 16 नवम्बर (प्रेस दिवस) तक हरियाणा में संघ की 27 जिलों में जिला कार्यकारिणी गठित हो चुकी होंगी ओर स्थापना दिवस (16 नवम्बर) पर हरियाणा में श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा के तत्वाधान में अद्वितीय पत्रकार सम्मेलन का आयोजन होगा जिस सम्मेलन में प्रदेश भर से हजारों पत्रकार सम्मेलन में आएंगे व सरकार के समक्ष अपनी लंबित मांगो को पुरजोर तरीके से रखेंगे।

*श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा की सरकार से मांगे हरियाणा में महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ की तर्ज पर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हो।एक्रीडिटेशन के नियमो में सरलीकरण हो।

पत्रकार पेंसन का नाम बदल कर पत्रकार सम्मान निधि किया जाए साथ ही पेंसन की राशि 15 हजार से बढ़ा के 25 हजार की जाए व आयु सीमा 60 वर्ष से 55 वर्ष की जाए। ग्रुप हाउसिंग सोसायटी के तहत पत्रकारों को रियायती दरों पर रिहायशी मकान उपलब्ध किये जाए। ढफ्क्क के नियमों में सरलीकरण हो जिस से लघु समाचार पत्रों को सुविधा मिल सके।हरियाणा सरकार द्वारा निकट भविष्य में बनाये जा रहे 5 नए जिलों में भी मीडिया सेंटर बनाये जाए। पत्रकारों के वाहनों को टोल मुक्त किया जाए।डॉ बंसल ने कहा की पत्रकारों की इन सभी अनिवार्य ,जायज व लंबित मांगो को लेकर श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा के वरिष्ठ पत्रकारों का एक दल बहुत जल्द हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से भी मुलाकात करेगा।गोहाना में आयोजित इस प्रेस वार्ता में डॉ इन्दु बंसल के साथ प्रदेश संरक्षक डॉ डीएल मल्होत्रा, प्रदेश प्रवक्ता नवीन बंसल, गोहाना जिला अध्यक्ष अनिल जिंदल व श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा की गोहाना जिला इकाई के सभी पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। जिन में मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार सुनील जिंदल, भंवर सिंह, सारिका नरवाल,विवेक अहलावत, प्रीति सिंघल, अजय,तेजपाल शर्मा, मदन मोहन,परमजीत,संदीप, जोगिंदर सिंह,सौरभ,सुरेंदर,नरेश शर्मा, रविंदर,मेनका, राजेश पांचाल, अजय सैनी,जगबीर जैन के साथ - साथ अनेकों पत्रकार उपस्थित थे।

वर्ल्ड फूड फेस्टिवल में शामिल होंगे दिल्ली के भी फूड कारोबारी - CTI

दिव्य दिल्ली : दिल्ली में 25 से 28 सितंबर को भारत मंडपम में वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 के नाम से फेस्टिवल आयोजित होने जा रहा है इसी सिलसिले में दिल्ली में व्यापारियों और फैक्ट्री मालिकों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री सीटीआई ने केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की,सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि दिल्ली में सितंबर में आयोजित होने वाले फूड फेस्टिवल में दिल्ली के फूड एवं खाद्य पदार्थों से जुड़े हुए व्यापारियों को भी शामिल किया जाए, बृजेश गोयल ने चिराग पासवान को बताया कि दिल्ली में विशेषकर पुरानी दिल्ली की चाट पकौड़ी और खोमचे विश्व प्रसिद्ध हैं इसके अलावा दिल्ली में फूड सेक्टर में अलग अलग आइटम्स के बड़े बड़े ब्रांड हैं जिनको फूड फेस्टिवल में भग लेने का अवसर मिलना चाहिए, इस पर चिराग पासवान ने कहा कि फूड फेस्टिवल में सभी आमंत्रित हैं, ये वैश्विक कार्यक्रम है और दिल्ली की फूड इंडस्ट्री के व्यापारियों को भी इसमें हिस्सा लेना चाहिए, इसके लिए व्यापारी ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं, सीटीआई जुलाई में दिल्ली के फूड व्यापारियों की चिराग पासवान के साथ एक बड़ी मीटिंग भी कराएगा जिसमें की वर्ल्ड फूड फेस्टिवल की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, इस मुलाकात में सीटीआई कन्वेनर प्रियंका सक्सेना, उपाध्यक्ष राजेश खन्ना के साथ साथ नईम राजा, माधव खन्ना शामिल हुए।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर चांदी

नई दिल्ली/एजेंसी
सरार्फा बाजार के साथ ही वायदा बाजार में भी चांदी आज रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सिल्वर फ्यूचर 1.10 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गया। घरेलू बाजार की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी के भाव में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। आज कॉमेक्स पर चांदी 37.23 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया। पिछले 13 साल के दौरान चांदी पहली बार इस ऊंचाई पर पहुंचने में सफल रहा है। जारी रही, तो ये चमकीली धातु जल्दी ही 40 डॉलर प्रति औंस के स्तर को भी पार कर सकती है।

हिमाचल के लिए केंद्र से 2006 करोड़ रुपये की मंजूरी

नई दिल्ली/एजेंसी
भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश में वर्ष-2023 में भीषण प्राकृतिक आपदाओं के चलते पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण योजना के तहत 2006.40 करोड़ की राशि मंजूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है। बुधवार को साझा किए अपने संदेश में जेपी नड्डा ने कहा कि देवभूमि में संकट से निपटने और आपदा पीड़ितों को राहत प्रदान करने में मोदी सरकार द्वारा आर्थिक सहायता आपदा पीड़ित नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण संबल है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देवभूमि की जनता के साथ हर संकट में खड़ी है और हिमाचल की हरसंभव सहायता के लिए सदैव की भांति कटिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति ने 2023 की बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने की घटना के बाद हिमाचल प्रदेश के लिए 2006.40 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण योजना को मंजूरी दी है।

दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने राष्ट्रीय राजधानी में जिद्दी जाट का ट्रेलर लॉन्च किया

दिव्य दिल्ली : रांझा विक्रम सिंह और सिंगा स्टारर फिल्म 'जिद्दी जट्ट' का हिंदी वर्जन का ट्रेलर दिल्ली के ले मेडियन होटल में लॉन्च किया गया। दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी मुख्य अतिथि थे।इस फिल्म का निर्माण रनिंग हॉर्स फिल्म्स और ग्लोबल टाइटन्स ने किया है और इसका निर्देशन सिमरनजीत सिंह ने किया है। इससे पहले वे 'जट्ट बॉयज पुत्त जट्ट दे', '25 किल्ले, रब्बा रब्बा मिन्ह वर्सा' जैसी कई लोकप्रिय फिल्मों का निर्देशन कर

चुके हैं।पंजाब में अवैध रेत खनन पर आधारित और एक्शन थ्रिलर फिल्म जिद्दी जट्ट में रांझा विक्रम सिंह, सिंघा, सारा गुरपाल और बॉलीवुड अभिनेता प्रदीप रावत मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म दर्शकों को एक्शन, ड्रामा और माफिया संस्कृति का तड़का देती है।

रांझा विक्रम सिंह बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता हैं और उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' में भी अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा अभिनेता रांझा विक्रम सिंह ने 'हीरोपंती', 'हीरोपंती' में मुख्य नकारात्मक भूमिका, '25 किल्ले या रब्ब', 'राणा विक्रमा', 'फौजी कॉलिंग' और कई अन्य सफल फिल्मों में भी काम किया है।

एक पृथ्वी, स्वस्थ संसार - संत निरंकारी मिशन

दिव्य दिल्ली : संत निरंकारी मिशन द्वारा अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतवर्ष के 1000 से अधिक स्थानों पर एक साथ योग दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा ।मिशन की विभिन्न शाखाओं में यह आयोजन स्थानीय योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खुले मैदानों एवं पार्कों में किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु, सेवादल स्वयंसेवक एवं स्थानीय नागरिक उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित ह्यअंर्तराष्ट्रीय योग दिवसह्ण का विषय - ह्यएक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगह्ण है जो सम्पूर्ण मानवता को यह संदेश देता है कि व्यक्ति का वास्तविक स्वास्थ्य तभी पूर्ण माना जाता है जब वह शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं

आध्यात्मिक रूप से संतुलित और जागरूक हो। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए संत निरंकारी मिशन अपने आध्यात्मिक और सामाजिक प्रयासों के अंतर्गत योग को समग्र कल्याण का माध्यम मानते हुए निरंतर प्रयासरत है।संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा जी ने जानकारी दी कि वर्ष 2015 से ही संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा ह्ययोग दिवसह्ण का नियमित रूप से देशव्यापी आयोजन किया जा रहा है। यह पहल सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से निरंतर विस्तारित हो रही है, जिनका मार्गदर्शन रहा है ह्लस्वस्थ मन, सहज जीवन।ह्लह्ण उनके विचारों में यह स्पष्ट है कि मानव शरीर ईश्वर की एक अनुपम देन है जिसे स्वस्थ और सशक्त बनाकर ही मानव अपने आध्यात्मिक और सामाजिक कर्तव्यों का सम्यक रूप से निर्वहन कर सकता है।

योग भारत की एक प्राचीनतम विद्या है, जो न केवल शरीर को सबल बनाती है बल्कि मन को शांत और आत्मा को जागृत करने की क्षमता भी रखती है। इसके नियमित अभ्यास से तनाव, असंतुलन और रोगों से बचाव करते हुए व्यक्ति आत्मिक शांति और सामाजिक सौहार्द की दिशा में अग्रसर होता है।आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में ऐसे आयोजनों का मूल उद्देश्य यही है कि हम स्वयं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और एक सुखद, संतुलित एवं शांतिपूर्ण जीवन जीने की ओर बढ़ें।

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिष्टाचार भेंट की।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का सड़क सुरक्षा अभियान तेज

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी में सड़क सुरक्षा और जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक मुख्यालय) सत्य वीर कतारा के नेतृत्व में यह अभियान पूरे शहर में कई स्थानों पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। महिलाओं की सुरक्षा, हेलमेट/सीट बेल्ट की अनिवार्यता, शराब पीकर गाड़ी न चलाने, गलत दिशा में न चलने जैसी सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया।

डसॉल्ट एविएशन भारत में बनाएगी फाल्कन-2000 बिजनेस जेट

नई दिल्ली/एजेंसी
फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन अब वैश्विक बाजार के लिए भारत में फाल्कन-2000 बिजनेस जेट बनाएगी। इसके लिए पेरिस एयर शो में कंपनी ने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सहायक कंपनी रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर लिमिटेड (आरएएल) के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के बाद भारत संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्राजील के बाद अगली पीढ़ी के बिजनेस जेट बनाने वाले देशों के कुलीन क्लब में शामिल हो गया है। यह पहली बार है कि जब डसॉल्ट एविएशन फ्रांस के बाहर फाल्कन-2000 जेट का निर्माण करेगा, जिससे भारत रणनीतिक वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित होगा। बिजनेस एग्जीक्यूटिव जेट्स के लिए पहली असेंबली लाइन डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड (डीआरएएल) महाराष्ट्र के नागपुर में स्थापित की जाएगी। यहां जेट का पूर्ण ढांचा और विंग असेंबली संचालन के हस्तांतरण के साथ-साथ प्रमुख सुविधा उन्नयन होगा। जहां से 2028 तक फाल्कन 2000 की पहली उड़ान का मार्ग प्रशस्त होगा। डसॉल्ट एविएशन के अध्यक्ष और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा कि यह नया समझौता भारत की 'मेक इन

इंडिया' प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और वैश्विक एयरोस्पेस आपूर्ति शृंखला में भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में मान्यता दिलाएगा। यह साझेदारी भारत की एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जबकि रणनीतिक रूप से वैश्विक विमानन आपूर्ति शृंखला में एकीकृत है। डसॉल्ट एविएशन फाल्कन 8 और फाल्कन 6 के फ्रंट सेक्शन की असेंबली के अलावा फाल्कन-2000 के पंखों और पूरे धड़ की असेंबली भी डीआरएएल? को सौंपेगा। रिलायंस समूह के संस्थापक अध्यक्ष अनिल डी. अंबानी ने कहा? कि यह समझौता 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विश्व के लिए भारत में निर्माण' के दृष्टिकोण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। भारत में फाल्कन बिजनेस जेट के निर्माण के लिए डसॉल्ट एविएशन के साथ हमारी साझेदारी देश, विमानन उद्योग और रिलायंस समूह के लिए एक निर्णायक क्षण है। इससे भारत को वैश्विक एयरोस्पेस मूल्य शृंखला में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।? इस ऐतिहासिक पहल से भारत हाई-एंड बिजनेस जेट निर्माण के लिए एक रणनीतिक केंद्र के रूप में उभरेगा। नई फाइनल असेंबली लाइन भारत और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती मांग को पूरा करेगी। डसॉल्ट एविएशन और रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर के बीच संयुक्त उद्यम? डीआरएएल की स्थापना 2017 में हुई थी। उसी ?के बाद नागपुर के मिहान में एक अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा की स्थापना के साथ परिचालन शुरू हुआ। 2019 में अपना पहला फाल्कन?-2000 फ्रंट सेक्शन देने के बाद से डीआरएएल ने फाल्कन?-2000 के लिए 100 से अधिक प्रमुख उप-खंडों को इकट्ठा किया है।? डीआरएएल? को अपने विस्तारित परिचालन का समर्थन करने के लिए अगले दशक में कई सौ इंजीनियरों और तकनीशियनों की भर्ती करने की उम्मीद है।

संभल में सपा सांसद बर्क ने दंगा भड़काया विधायक के बेटे ने सीओ पर गोली चलवाई थी

संभल हिंसा: सपा सांसद समेत 23 के खिलाफ चार्जशीट

संभल/एजेंसी
संभल हिंसा मामले में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बुधवार को पुलिस ने 1100 पन्नों की चार्जशीट चंदौसी टढ/टछअ कोर्ट में दाखिल की है। पुलिस ने सांसद बर्क और सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल समेत 23 आरोपियों को हिंसा भड़काने का नामजद आरोपी बनाया है। पुलिस ने 700-800 अज्ञात को भी आरोपी बनाया है। 24 नवंबर, 2024 को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़की थी। हिंसा में चार मुस्लिम युवकों की जान चली गई थी।

एसपी, सीओ और डिप्टी कलेक्टर समेत 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। सांसद ने हिंसा भड़काई, विधायक के बेटे ने गोली चलवाई सांसद बर्क पर आरोप है कि उन्होंने भड़काऊ भाषण देकर भीड़ को उकसाया। उन्होंने मस्जिद सदर जफर अली को 23 नवंबर की रात फोन करके कहा

था, 'कौम हम पर ही थूकेगी। सर्वे किसी भी सूरत में नहीं होना चाहिए। भीड़ इकट्ठा करो।'

हिंसा के वक्त भीड़ में शामिल शहर

विधायक नवाब इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल ने दंगाइयों को उकसाकर सीओ पर गोली चलवाई थी। इस मामले में पुलिस ने कोतवाली संभल में केस दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में जामा मस्जिद के सदर जफर अली एडवोकेट सहित कुल 90 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

सांसद बर्क से एसआईटी ने 8 अप्रैल को संभल के थाना नखासा में करीब चार घंटे पूछताछ की। इससे पहले 25 मार्च को रछछ के इंस्पेक्टर अमरीश कुमार ने दिल्ली जाकर सांसद के आवास पर पूछताछ का नोटिस दिया था। दरोगा दीपक राठी ने सांसद जियाउर्रहमान बर्क और सुहैल इकबाल पर एफआईआर दर्ज कराई थी। कोर्ट के आदेश पर जामा मस्जिद का पहला सर्वे 19 नवंबर, 2024 को हुआ था। इसके बाद 22 नवंबर को सांसद बर्क भीड़ के साथ जुमे की नमाज पढ़ने पहुंचे। तब उन्होंने कहा था- 'कसूरे गम से दो आंसू बहाएं तो आफत है, और सितम सारे जमाने के भूल जाएं तो बगावत है। समझ नहीं आता, छेड़ें तो दास्तां कैसे, हंसाए तो बगावत है, रुलाएं तो बगावत है। आज मैं जामा मस्जिद के अंदर गया, जो अल्लाह का घर है। आज से नहीं, कई साल से यह मस्जिद है। यहां इबादत करने के लिए सारे मुसलमान तशरीफ लाए हैं। ये कुछ नया नहीं है। हमेशा से यहां नमाज अदा की जा रही है। आज मैं भी नमाज के लिए हाजिर हुआ हूं। मुझे मालूम पड़ा कि पुलिस प्रशासन ने यहां बहुत तैयारी कर रखी है। पता नहीं यहां इतनी पुलिस फोर्स क्यों लगा रखी है? यहां कोई जंग तो होने नहीं जा रही, नमाज ही हो रही है। हम लोग बहुत सुकून से रहते हैं।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397